हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 51, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 11 अगस्त, 2022 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को देंगे मुफ्त बस सेवा : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने परिवहन निगम की 150 बसों को जनता को किया समर्पित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को परिवहन निगम की 150 बसों को जनता को समर्पित किया। पांच कालिदास मार्ग पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के पर्व पर यह बसें खासतौर से माताओं बहनों को निःशुल्क रूप से गंतव्य तक पहुंचाएंगी। 75 जनपदों को दो दो बसें मिल रही हैं। इसके अलावा उन्होंने झांसी, बरेली और अलीगढ़ के ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर का भी अनावरण किया। साथ ही सारथी हाल फिरोजाबाद का भी शिलान्यास किया। उन्होंने अलीगढ़ नौझील कांठ हैदरगढ़ और सिग्नेचर बस अड्डा का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी ने एलान किया कि जल्द ही 60 वर्ष से ऊपर की माता बहनों को फ्री में यात्रा कराने की योजना भी शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी का वास्ता सड़क पर उतरते ही हमारी बसों से पड़ता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम अपनी परिवहन व्यवस्था को और मजबूत करें । 2019 के कुंभ प्रयागराज के दौरान हमने जो बसें खरीदी थी उन्हें भी हमने परिवहन निगम को समर्पित कर दिया जिन्होंने

कोरोना महामारी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। ये बसें खासतौर से कोरोना में प्रवासी कामगारों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए काम आईं। रोडवेज ने 1 करोड़ से अधिक लोगों को अपने प्रदेश के अंदर और यूपी से बाहर दूसरे प्रदेशों तक पहुंचाया। 40 लाख लोग तो केवल उत्तर प्रदेश के थे और 30 लाख कामगार बिहार के थे। इसके अलावा झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, असम, राजस्थान और हरियाणा के लोगों को निशुल्क सेवा प्रदान की गई । उन्होंने कहा कि मानवता का इससे बड़ा उदाहरण और कोई नहीं मिल सकता। 24 करोड़ श्रद्धालुओं को कुंभ में सेवाएं दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से बस स्टेशनों को हाईक्लास व्यवस्था में बदलना होगा। 1,10,000 से अधिक गांवों को बसों से जोड़ने का लक्ष्य है। साथ ही उन्होंने बस स्टेशनों को आधुनिक बनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जब भारत के एयरपोर्ट विश्व स्तरीय बन सकते हैं तो बस अड्डे क्यों नहीं। इसी तर्ज पर उनका विकास किया जाए। बस अड्डों पर सभी सुविधाएं हों। अन्य राज्यों के साथ भी बेहतर से बेहतर कनेक्टिविटी की जाए।

जर्जर बसों को हटाकर बेड़े में नई बसें शामिल करें- मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जर्जर बसों को धीरे-धीरे हटाएं और बेड़े में नई बसें शामिल करें। खासतौर से चालकों की फिटनेस की व्यवस्था की जाए और इसके सेंटर विकसित हो। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जो स्किल मैपिंग की गई थी उसमें पता चला था कि 12000 तो केवल ड्राइवर ही यूपी में इस दौरान आए थे। ऐसे लोगों का लाभ लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटीआई और पॉलिटेक्निक के छात्रों को भी वर्कशॉप से जोड़ा जाए। इससे मैन पावर बढ़ेगी और इन बच्चों को भी अभ्यास ज्यादा मिल सकेगा । मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं पर दुख जताया। कहा कि ढाई साल में कोविड में यूपी में 23000 मौतें हुई हैं जबकि प्रतिवर्ष दुर्घटना में लगभग 20000 मौतें हो रही हैं इस पर अंकुश लगाना होगा। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर बहनों को 48 घंटे निशुल्क में यात्रा सुविधा दी गई है। इससे उनका सफर सुरक्षित और आरामदायक होगा। इसके पहले परिवहन निगम के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने कहा कि 1150 नई बसें बेड़े में जोड़ी जानी है जिनमें 150 आज जोड़ी जा रही हैं।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बने विधान परिषद में नेता सदन, स्वतंत्र देव सिंह ने दिया इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के नेता सदन पद से स्वतंत्र देव सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को विधान परिषद में नेता सदन बनाया गया है। बता दें कि स्वतंत्र देव सिंह 20 मई को उन्हें नेता सदन बनाया गया था।

विधान परिषद में उन्होंने पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा की जगह ली थी। इससे पहले 27 जुलाई को कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। फिलहाल, स्वतंत्र देव सिंह फिलहाल योगी सरकार में जल शक्ति मंत्री हैं। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य को विधान परिषद में नेता सदन बनाए जाने की बधाई दी है। विधान परिषद के प्रमुख सचिव राजेश सिंह ने स्वतंत्रदेव के नेता सदन पद से इस्तीफे की पुष्टि कर दी है। नए नेता सदन के लिए अभी लेटर नहीं आया है। थोड़ी देर में लेटर आने की संभावना जताई जा रही है।

नीतीश का मोदी पर सीधा हमला : 2024 में हम रहें या न रहें, 2014 वाले नहीं रहेंगे

पटना। बिहार के 8वें मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने एक बार फिर शपथ ले ली है। शपथ ग्रहण के बाद नीतीश कुमार मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना उन पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, 2024 में हम रहें या न रहें, 2014 वाले नही रहेंगे। प्रधानमंत्री पद की दावेदारी पर नीतीश कुमार ने कहा, मेरी कोई दावेदारी नहीं है। हमने जो भी निर्णय लिया है, अपने पार्टियों के साथियों के साथ लिया है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि हम निश्चित तौर पर विपक्ष को मजबूत करेंगे। नीतीश कुमार ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पर भी इशारों में निशाना साधा। कहा, जिनको लगता है विपक्ष खत्म हो जाएगा, तो हम लोग तो आ ही गए हैं विपक्ष में। दरअसल, बीते दिनों बिहार में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि देश में क्षेत्रीय पार्टियां खत्म हो रही हैं। जो खत्म नहीं हुई हैं, हो जाएंगी। सिर्फ भाजपा ही बचेगी। वहीं मंत्रियों के शपथ ग्रहण पर नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार बन गई है। शपथ भी हो गई। बाकी मंत्रियों के बारे में जल्द ही निर्णय लेकर शपथ ग्रहण कराई जाएगी। नीतीश कुमार ने कहा, हमारी पार्टी के लोगों से पूछ लीजिए की क्या सबकी स्थिति हुई। मैं 2020 में मुख्यमंत्री बनना नहीं चाहता था, लेकिन मुझ पर दबाव बनाया गया कि आप संभालिए। बाद के दिनों में जो कुछ भी हो रहा था, सब देख रहे थे। हमारी पार्टी के लोगों के कहने पर हम अलग हुए। उन्होंने कहा, बीते डेढ़ महीने से हम कोई बातचीत नहीं कर रहे थे। हमारे साथ गलत हो रहा था। नीतीश कुमार ने कहा कि 2020 के चुनाव में जदयू के साथ कैसा बर्ताव हुआ था। हमारा भाजपा के साथ जाने से नुकसान हुआ था। वहीं, इस मौके पर राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार की जनता के लिए बहत अच्छा हुआ है। हम सभी को धन्यवाद व शुभकामना देते हैं। उन्होंने कहा, इस फैसले से हर कोई खुश है। सबसे बड़ी बात बिहार की जनता खुश है। इसके अलावा राजद नेता तेज प्रताप यादव ने कहा कि हम युवाओं के लिए काम करने के लिए सरकार में आए हैं।

बूस्टर डोज के रूप में कॉबेर्वैक्स को मिली मंजूरी 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को लगेगा यह टीका

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सरकार ने एहतियाती खुराक के रूप में बायोलॉजिकल ई के कॉबेर्वैक्स को मंजूरी दे दी है। 18 साल से अधिक उम्र के लोग

यह टीका लगा सकेंगे। यह पहली बार होगा कि कोविशील्ड या कोवैक्सीन की पहली और दूसरी खुराक लेने के बाद अब बूस्टर डोज के रूप में कॉबेर्वैक्स का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे संबंधित सूत्रों ने एक समाचार एजेंसी को जानकारी दी कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की यह मंजूरी टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी परामर्श समूह (एनटीएजीआई) के कोविड-19 कार्य समूह द्वारा हाल ही में की गई अनुशंसा पर आधारित होगी। सूत्रों ने कहा, "18 साल से अधिक उम्र के जो भी लोग कोवैक्सीन या कोविशील्ड का दूसरा डोज ले चुके हैं वे अपने टीकाकरण के छह महीने या 26 हफ्ते बाद बूस्टर डोज के रूप में कॉबेर्वैक्स लगा सकेंगे। ऐसा पहली बार होगा कि वयस्कों को पूर्व में लगाई गई टीकों से अलग एहतियाती खुराक दी जाएगी।" उन्होंने बताया कि कोवैक्सीन या कोविशील्ड के टीकाकरण को लेकर अब तक जिस तरह के दिशा-निर्देश जारी थे उसमें अब कॉबेर्वैक्स के नए नियम भी शामिल कर लिए गए हैं। कॉबेर्वैक्स से संबंधित सभी बदलाव Co-WIN पोर्टल पर किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि भारत के पहले स्वदेशी आरबीडी प्रोटीन सबयूनिट टीका कॉबेर्वैक्स का इस्तेमाल मौजूदा समय में कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 12 से 14 वर्ष आयु के बच्चों को लगाने के लिए किया जा रहा है। कोविड-19 कार्य समूह ने 20 जुलाई की बैठक में तीसरे चरण के आंकडों की समीक्षा की जिसमें 18 से 80 वर्ष की आयु के उन लोगों का आकलन किया गया जो कोविड-19 निगेटिव हैं और जिन्होंने पहली दो खुराक कोविशील्ड या कोवैक्सीन की ली है।

श्रीकांत त्यागी की पत्नी ने नोएडा पुलिस पर लगाया गंभीर आरोप, कहा- 'कहा मुझे पुरुष थाने में रखा गया'

नोएडा। नोएडा की सोसायटी में महिला से छेड़छाड़ मामले में गिरफ्तार आरोपित श्रीकांत त्यागी की पत्नी ने पुलिस पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। तथाकथित तौर पर भाजपा नेता की पत्नी अनु त्यागी ने मीडिया के सामने आकर नोएडा पुलिस पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। एक समाचार टेलीविजन चैनल से बाततीच में आरोपित श्रीकांत त्यागी की पत्नी अनु त्यागी कहा है कि पति, बच्चों के साथ परिवार के किसी सदस्य की ओर से किसी के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं किया है, बच्चों में आपस में लड़ाइयां हो जाती हैं। श्रीकांत त्यागी की पत्नी ने कहा कि पुलिस ने मुझे शुक्रवार, शनिवार और रविवार दोपहर तक अपनी कस्टडी में रखा। इस दौरान मुझे पुरुष थाने में रखा गया था। अनु त्यागी का यह भी कहना है कि उनके साथ मारपीट नहीं की गई, लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित जरूर किया गया। उन्होंने नोएडा पुलिस पर बदसलूकी का भी आरोप लगाया है। वहीं, फरार भाजपा नेता श्रीकांत की गिरफ्तारी ने बाद नोएडा पुलिस की टीमें रविवार रात को श्रीकांत के पक्ष में आकर सोसायटी में हंगामा करने वाले चार आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही हैं। छह आरोपितों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, भाजपा नेता की गिरफ्तारी के बाद भी सोसायटी के लोगों में डर है। वहीं, गिरफ्तारी के बाद इंटरनेट मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर मीम का दौर भी जारी है। वहीं, मंगलवार को गौतमबुद्धनगर पुलिस आयुक्त आलोक सिंह ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान बताया कि श्रीकांत त्यागी को मेरठ के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके तीन साथियों को भी गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों को नोएडा के सेक्टर 93 की ओमेक्स सोसाइटी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया। वहीं, नोएडा पुलिस ने श्रीकांत त्यागी और अन्य के खिलाफ एक महिला का शील भंग करने का मामला दर्ज किया है। बता दें कि श्रीकांत त्यागी को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

बिहार में 2024 में फिर बनेगी भाजपा सरकार : उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

लखनऊ। में राजनीतिक घटनाक्रम पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा ने बिहार में कानून का राज कायम किया है। भाजपा आगे भी बिहार की जनता की भलाई के लिए कार्य करेगी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बिहार राजनीतिक संकट पर बयान देते हुए कहा कि भाजपा ने बिहार के लोगों को सुचिता पूर्ण शासन दिया है। बीजेपी ने ही बिहार में कानून का राज स्थापित किया है। भाजपा आज भी बिहार के लोगों के भावनाओं के अनुरूप काम करती रहेगी। 2024 में भाजपा जीतेगी। बता दें कि बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' के नारे वाले दिन बिहार से 'बीजेपी भगाओ' का नारा आ रहा है। बिहार में जेडीयू नेता नीतीश कुमार के

एनडीए छोड़ने और फिर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अच्छी शुरूआत बताया था। उन्होंने कहा था कि आज के दिन 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' का नारा दिया गया था और आज ही बिहार से 'भाजपा भगाओ' का नारा आया है। उन्होंने कहा था कि अब जल्दी ही देश के अन्य राज्यों से राजनीतिक दल और लोग भाजपा के खिलाफ खड़े हो जाएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में यह भी कहा था कि मुझे लगता है कि अलग-अलग राज्यों में राजनीतिक पार्टियां और जनता जल्द बीजेपी के खिलाफ खड़ी होगी। गठबंधन का मिल जुलकर कोई निर्णय लेंगे। नीतीश कुमार अनुभवी नेता हैं और वह चीजों को समझते हैं। बता दें कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार का खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल से मुलाकात कर इस्तीफा सौंपा था, जिसे स्वीकार करते हुए राज्यपाल ने उन्हें शपथ ग्रहण के लिए बुधवार का समय दिया था।

कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद को मिली जमानत एमपी-एमएलए कोर्ट ने जारी किया था समन

गोरखपुर। कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के लिए राहत भरी खबर है। एमपी-एमएलए कोर्ट नंबर दो गोरखपुर ने कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के खिलाफ समन जारी कर दिया था। सीजेएम ने शाहपुर पुलिस को आदेश दिया था कि डॉ. संजय को गिरफ्तार करके बुधवार (10 अगस्त) को कोर्ट में पेश किया जाए। हालांकि उन्हें इस मामले में जमानत मिल गई है। मजिस्ट्रेट प्रभात त्रिपाठी के सामने कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने जमानत याचिका प्रस्तुत की। जिसके बाद उन्हें जमानत मिल गई है। सरकारी नौकरी में निषादों को पांच फीसदी आरक्षण देने की मांग को लेकर वर्ष 2015 में संतकबीरनगर के कसरवल में बवाल हुआ था। आंदोलनकारी व पुलिस-प्रशासन आमने-सामने आ गए थे। बवाल के दौरान एक युवक की मौत हो गई थी। इससे नाराज आंदोलनकारियों ने रेलवे ट्रैक बाधित कर दिया था। रेल की पटरियां उखाड़ दी गई थीं। इससे ट्रेनों का आवागमन ठप हो गया था। इस मामले में आरपीएफ बस्ती-संतकबीरनगर ने भी मुकदमा दर्ज किया था। इसकी सुनवाई गोरखपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट नंबर दो में चल रही थी।

बिहार में फिर चाचा-भतीजा सरकार, तेजस्वी बोले- एक महीने के भीतर देंगे युवाओं को बंपर नौकरी

पटना। बिहार में भाजपा और जेडीयू का गठबंधन टूटने के बाद एक बार फिर से महागठबंधन की सरकार बन गई है। आज दोपहर दो बजे राजभवन में नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री तो तेजस्वी यादव ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। वहीं भाजपा ने आज सभी जिलों में जद (यू) नेता द्वारा विश्वासघात के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध (महाधरना) किया। बिहार कांग्रेस के प्रभारी भक्त चरण दास ने बुधवार को चुटकी लेते हुए कहा कि हमें लगता है कि राज्य में भाजपा का पतन महाराष्ट्र में उसकी राजनीति और दलबदल इंजीनियरिंग का जवाब है। भगवा खेमे पर निशाना साधते हुए भक्त चरण दास ने कहा कि भाजपा मुक्त बिहार एक नया संदेश है जो लोगों को भेजा गया है। दास ने कहा कि जब देश की प्रगति, देश की आजादी और इसकी पहचान की बात आती है तो कांग्रेस हमेशा एक मजबूत स्तंभ रही है। भगवा पार्टी सभी छोटी पार्टियों का सफाया करना चाहती है। दास ने दावा किया कि वह भारत में सिर्फ एक पार्टी (भाजपा), एक रंग... और एक धर्म की स्थापना करना चाहता है। यह पूछे जाने पर कि क्या नई महागठबंधन की बिहार सरकार का अध्यक्ष कांग्रेस से होगा, जिसके पास विधानसभा में 19 विधायक हैं, दास ने कहा कि जो होगा अच्छे के लिए होगा।

तेजस्वी ने कहा- विधानसभा में विपक्ष में सिर्फ भाजपा बचेगी- महागठबंधन इतना मजबूत है कि विधानसभा में विपक्ष में सिर्फ

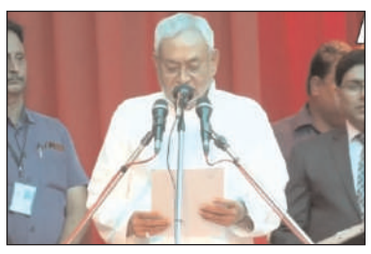

भाजपा बचेगी। सीएम नीतीश कुमार द्वारा लिया गया मुश्किल फैसला एक ऐसा फैसला है जिसकी जरूरत थी। सांप्रदायिक तनाव भाजपा द्वारा फैलाया जा रहा था, वे क्षेत्रीय दलों को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

तेजस्वी बोले, एक महीने के भीतर देंगे बंपर नौकरियां- बिहार ने वही किया जो देश को करने की जरूरत है। हमने उन्हें रास्ता दिखाया है। हमारी लड़ाई बेरोजगारी के खिलाफ रही है। हमारे सीएम ने गरीबों और युवाओं का दर्द महसूस किया। हम गरीबों और युवाओं को एक महीने के भीतर बंपर नौकरी देंगे।

राबड़ी देवी के घर के बाहर जश्न- बिहार के डिप्टी-सीएम तेजस्वी यादव राबड़ी देवी के आवास पर पहुंचे। उनके घर के बाहर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता जुटे हुए हैं और जश्न का माहौल है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नीतीश कुमार जी एवं उपमुख्यमंत्री के रूप में श्री तेजस्वी यादव जी को शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'

नीतीश कुमार ने आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली- बिहार में शपथग्रहण समारोह समाप्त हो गया है। नीतीश कुमार ने आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। राज्यपाल फागू चौहान ने उन्हें गोपनीयता की शपथ दिलाई है। वहीं राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी डिप्टी सीएम पद की शपथ ली है।

कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को वर्कआउट करते समय आया हार्ट अटैक, दिल्ली के एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को दिल का दौरा पड़ा है' उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है' ताजा खबर आ रही है कि जिम में वर्कआउट करते हुए हुए उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वह गिर पड़े और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है' राजू श्रीवास्तव एक कॉमेडियन के तौर पर जाने जाते हैं' उन्होंने कई टेलीविजन शोज में काम किया है' इसके अलावा वह कई कॉमेडी शो में भी नजर आ चुके हैं। राजू श्रीवास्तव के बारे में बताया जा रहा है कि वह ट्रेडमिल पर वर्कआउट कर रहे थे' इसी दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वह गिर पड़े' इसके बाद उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है' राजू श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश वन विकास परिषद के अध्यक्ष भी हैं' इसके अलावा वह एक लोकप्रिय कॉमेडियन भी है' वह अक्सर समसामयिक विषयों पर कॉमेडी करते रहते हैं' राजू श्रीवास्तव की बेटी अंतरा ने भी बताया है कि वह करीब 12 बजे दिल्ली में जिम में वर्क आउट कर रहे थे, तभी बेहोश होकर गिर पड़े थे। एम्स में उनकी तबीयत अब ठीक है, डाक्टर इलाज कर रहे हैं। खबरों के अनुसार उन्हें बुधवार को दिल का दौरा पड़ा और वह ट्रेडमिल पर कसरत करते हुए गिर पड़े' सूत्रों के अनुसार उनकी तबीयत पर डॉक्टर नजरें बनाए हुए हैं' राजू श्रीवास्तव की सोशल मीडिया पर काफी बड़ी फैन फॉलोइंग है' फैन उनके अटैक की खबर से चिंतित है' वह उनके जल्द ठीक होने की कामना भी कर रहे है' वहीं कई लोग उनकी सेहत पर नजरें जमाए हुए है। राजू श्रीवास्तव ने कई फिल्मों में भी काम किया है' इसके अलावा उनकी छवि एक अच्छे कलाकारों के तौर पर की जाती है' वह अक्सर अमिताभ बच्चन की नकल उतारते भी नजर आए हैं' वहीं वह लालू प्रसाद यादव की भी कॉमेडी कर चुके हैं' राजू श्रीवास्तव कॉमेडी इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम है।

संपादकीय

बिहार का मुस्तकबिल

आखिरकार बिहार में भाजपा और जनता दल (एकी) का गठबंधन टूट गया। नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दिया और ऐलान कर दिया कि अब महागठबंधन की सरकार बनेगी। दोनों दलों के बीच मनमुटाव लंबे समय से चल रहा था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधानसभा अध्यक्ष से खिंचे-खिचे रहते थे। फिर केंद्र के कई फैसले भी उन्हें अपने सिद्धांतों के खिलाफ लगते थे। जातिवार जनगणना को लेकर तो उन्होंने केंद्र को खुली चुनौती दे डाली थी। ऐसे अनेक मौके पिछले कई महीनों में आए, जब नीतीश कुमार और केंद्र सरकार के बीच सैद्धांतिक मतभेद जाहिर होने लगे थे। ऐसे में लंबे समय से कयास लगाए जा रहे थे कि नीतीश कुमार कभी भी भाजपा का साथ छोड़ सकते हैं। उनका झुकाव भी राष्ट्रीय जनता दल की तरफ अधिक देखने को मिल रहा था। तेजस्वी यादव के प्रति उनका नरम रुख प्रकट होने लगा था। मगर जब जनता दल (एकी) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया तो परदे के पीछे चल रहा खेल सामने उभर कर आ गया। नीतीश कुमार ने केंद्र में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में अपने सासंदों के हिस्सा न लेने की घोषणा कर दी। फिर बिहार में विधायकों की बैठक बुलाई गई और उसमें अलग होने का मन बना लिया गया। अब राजद, कांग्रेस और महागठबंधन के दूसरे कुछ दलों ने नीतीश कुमार को समर्थन दे दिया है। नीतीश कुमार नए गठबंधन के नेता चुन लिए गए हैं और उन्होंने तेजस्वी यादव से कहा कि वे पांच साल पहले की बातें भूल जाएं और अब नए सिरे से शासन चलाने पर ध्यान दें। इस तरह नीतीश कुमार को पहले से अधिक बहुमत मिल गया है और उम्मीद जताई जा रही है कि नए गठबंधन की सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। पर नीतीश कुमार से यह सवाल तो पूछा ही जाता रहेगा कि पिछले चुनाव में जब उन्होंने राजद के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था तब खुल कर भाजपा को सांप्रदायिक पार्टी कहा था और फिर सरकार बनाई तो वे भाजपा को खरी-खोटी सुनाते नहीं थकते थे। मगर फिर क्या हुआ कि उसी भाजपा से गलबहियां कर बैठे और बाकी का कार्यकाल पूरा किया। फिर इस बार का चुनाव भी उन्होंने भाजपा के साथ मिल कर लड़ा था। भाजपा ने उन्हें शुरू में ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया था। जद (एकी) की सीटें भाजपा से कम होने के बावजूद उसने अपना वचन निभाया और उन्हें मुख्यमंत्री पद दिया। अब फिर उन्हें भाजपा खटकने लगी और राजद का साथ अच्छा लगने लगा। राजनीति में अवसर का लाभ उठाने वाले ही बड़े खिलाड़ी माने जाते हैं। चुनाव के समय तो ऐसा करके नीतीश कुमार ने अपने खिलाड़ी होने का परिचय दे दिया, मगर अब ऐसी क्या सैद्धांतिक अड़चन आ गई कि उन्हें भाजपा का साथ चुभने लगा। खैर, अगर नीतीश कुमार को भाजपा के साथ सैद्धांतिक मेल नहीं बैठ पा रहा था, तो राजद को भी वे भला कितना अपना पाएंगे, कहना मुश्किल है, क्योंकि उसी राजद को कोसते हुए पिछली बार उन्होंने भाजपा का दामन थामा था। वे कहते नहीं थकते थे कि राजद बिहार में जंगलराज कायम करना चाहती है। अब क्या राजद के व्यवहार में अचानक बदलाव आ गया। ऐसा लगता तो नहीं। फिर तेजस्वी यादव ने जिस तरह सरकार बनने से पहले अपनी कड़ी शर्तें रखी हैं, उससे वह नीतीश कुमार को मुक्तहस्त होकर काम करने का अवसर देगी, कहना मुश्किल है।

बन गई सरकार !

हो गया बदलाव ।
बन गई सरकार ।।
अटकलें विराम अब ।
जो नाना प्रकार ।।
कोई खुशी से झूम रहा ।
मिला किसी को गम ।।
जो थे पहले पीछे ।
दिखा उनका दम ।।
कहासुनी की चल रही ।
हर तरफ बयार ।।
बने शायद पारी ।
फिर से यादगार ।।
मिल जुलकर फिर से ।
होगा करना काम ।।
याद हो रहे पिछले ।
वादे अब तमाम ।।

–कृष्णेन्द्र राय

महंगी पड़ेगी महंगाई

महंगाई एक हद तक बुरी नहीं होती, बशर्ते उसी अनुपात में कमाई हो। कमाई के अभाव में महंगाई आम आदमी और अर्थव्यवस्था के लिए काल बन जाती है। महंगाई के कारण बाजार में मांग घट जाती है। मांग घटने पर यदि उत्पादन भी घटाया गया तो बेरोजगारी बढ़ती है और इससे अर्थव्यवस्था सुस्त पड़ जाती है।

महंगाई कोई औचित्य का विषय नहीं जिसे खारिज कर देने से बात खत्म हो जाए। यह अनुभव का विषय है, आमजन की जेब और जिंदगी से जुड़ा हुआ। अनुभव बता रहा है कि महंगाई चरम पर है। महंगाई नियंत्रक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) भी इससे हामी रखता है। इस तथ्य से भी कि निकट भविष्य में महंगाई से मुक्ति नहीं मिलने वाली। यह अमुक्ति आम आदमी और अर्थव्यवस्था पर महंगी पड़ने वाली है। मंद मांग के बीच महंगाई का लगातार ऊपर रहना अर्थव्यवस्था के कठिन काल का संकेत है। आरबीआइ ने हाल में अपनी द्विमासिक समीक्षा बैठक में ब्याज दर में पचास आधार अंकों की वृद्धि की है। मई 2022 से अब तक ब्याज दर में तीन बार में एक सौ चालीस आधार अंकों की वृद्धि की जा चुकी है। आरबीआइ की प्रमुख ब्याज दर (रेपो रेट) अब 5.40 फीसद है। केंद्रीय बैंक ने अगली समीक्षा बैठक में इसमें पचास आधार अंकों की और वृद्धि करने के संकेत दिए हैं। साल के अंत तक रेपो दर छह फीसद से ऊपर चली जाए तो आश्चर्य नहीं। रेपो दर ब्याज की वह दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक आरबीआइ से कर्ज लेते हैं। बैंक जब महंगा कर्ज उठाएंगे तो उपभोक्ताओं को भी कर्ज महंगा पड़ेगा। स्वाभाविक रूप से वाणिज्यिक बैंक आरबीआइ से कम कर्ज लेंगे। उपभोक्ता भी बैंकों से महंगा कर्ज लेने से बचेंगे। इससे बाजार में तरलता घटेगी तो मांग भी घट जाएगी। परिणामस्वरूप महंगाई नीचे आएगी।

आरबीआइ का यह नीति-शास्त्र महंगाई घटाने में कितना कारगर होगा, यह वक्त बताएगा। हालांकि देखा जाए तो पिछले कुछ समय के दौरान यह उपाय कारगर साबित होता नहीं दिखा है। फिलहाल, इस पूरी कवायद से स्पष्ट है कि देश की अर्थव्यवस्था पर महंगाई का भारी दबाव है। महंगाई की ऊंची दर अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी नहीं होती, खासतौर से तब जब आम जनता की जेब खाली हो। अभाव की जिंदगी वैसे भी कठिन होती है। महंगाई की मार आमजन की कमर तोड़ सकती है। ऐसे में अर्थव्यवस्था कैसे बचेगी! सरकार ने आरबीआइ की सहमति से उसे पांच साल तक (पहली अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2026 तक) महंगाई दर दो से छह फीसद के बीच बनाए रखने का लक्ष्य दिया था। लेकिन जनवरी 2022 से ही महंगाई आरबीआइ की लक्षित अधिकतम सीमा छह फीसद से ऊपर तैर रही

है। वित्त विधेयक-2015 के जरिए आरबीआइ अधिनियम में जो संशोधन किए गए थे, उसमें यह प्रावधान है कि यदि आरबीआइ महंगाई दर को लगातार तीन तिमाही तक निर्धारित अधिकतम सीमा के अंदर रख पाने में विफल रहता है तो उसे वित्त मंत्रालय को लिखित में विफलता के कारण और उसके निवारण के उपाय बताने होंगे। लगातार दो तिमाहियों (जनवरी 2022 से जून 2022 तक) में महंगाई दर क्रमशः 6.36 फीसद और 7.28 फीसद रही है। आगामी दो तिमाहियों में भी इसके छह फीसद से ऊपर (जुलाई-सितंबर 2022 में 7.1 फीसद और अक्तूबर-दिसंबर 2022 में 6.4 फीसद) रहने का आरबीआइ ने अनुमान लगाया है। यानी केंद्रीय बैंक को अब सितंबर में वित्त मंत्रालय को लिखित में बताना ही होगा कि महंगाई नियंत्रण में क्यों नहीं आई। आरबीआइ अपने पत्र में भावी कदम का मसौदा भी प्रस्तुत करेगा। देखना यह होगा कि सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया होती है। बहरहाल, यह अपने आप में एक बड़ी घटना होगी।

सवाल उठता है कि अर्थव्यवस्था में महंगाई और उसे रोकने के आरबीआइ के कदम के क्या निहितार्थ और गूढ़ार्थ हैं? महंगाई एक हद तक बुरी नहीं होती, बशर्ते उसी अनुपात में कमाई होती रहे। कमाई के अभाव में महंगाई आम आदमी और अर्थव्यवस्था के लिए काल बन जाती है। महंगाई के कारण बाजार में मांग घट जाती है। मांग घटने पर यदि उत्पादन भी घटाया गया तो बेरोजगारी बढ़ती है, अर्थव्यवस्था सुस्त पड़ जाती है। आरबीआइ का ब्याज दर बढ़ाने का कदम भी मांग घटाने पर ही केंद्रित होता है। उसे लगता है कि जब बाजार में मांग घटेगी तो महंगाई नीचे आएगी। लेकिन महंगाई को नियंत्रित करने का यह एक कृत्रिम उपाय है। इससे महंगाई के लक्षण तो कम हो सकते हैं, पर बीमारी नहीं जाती। कई मामलों में ऐसा करना अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक भी साबित होता है। लेकिन रुपए को गिरने से बचाने और विदेशी पूंजी भंडार को संभालने के लिए ब्याज दर में वृद्धि आरबीआइ की मजबूरी है। इन दिनों रुपया भी बेदम है और विदेशी पूंजी भंडार घता हुआ करीब पांच सौ चौहत्तर अरब डालर पर आ गया है। इसके पीछे अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर वृद्धि प्रमुख कारण है। यानी आरबीआइ की ब्याज दर वृद्धि तब तक जारी रहने वाली है, जब तक फेडरल रिजर्व ब्याज दर बढ़ाने की अपनी मुहिम पर विराम नहीं लगा देता। रुपए का मोल डॉलर के मुकाबले ही तय होता है। ब्याज दर बढ़ने से कर्ज महंगा होगा तो कारोबार प्रभावित होंगे। रियल एस्टेट और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यम) क्षेत्र खासतौर से चपेट में आएंगे। नोटबंदी के कारण दोनों क्षेत्र पहले से ही संकट में रहे हैं। फिर महामारी ने भी इन्हें तोड़ डाला। दोनों क्षेत्र अपने को फिर से खड़ा करने की कोशिश ही कर रहे थे कि नई मुसीबत आ खड़ी हुई है। आरबीआइ के आंकड़े बताते हैं कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों का कर्ज जून 2022 में 23.7 फीसद बढ़ कर 14.29 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो साल भर पहले जून 2021 में 11.55 लाख करोड़ रुपए था।

सपने में देखा सपना

सपने, सपने ही होते हैं, कभी हकीकत नहीं हुआ करते। पर बिना सपने देखे विकास या सफलता भी नहीं मिला करती। आज जो जहां जितनी उंचाई या शिखर पर दिखाई देते हैं, उनके वहां होने और पहुंचने तक के बहुतेरे खुली आंखों से सपने भी नहीं देख पाते हैं। यानी जो जितना बड़ा सपना देखता है, वह उसे एक दिन हासिल भी कर सकता है। इतिहास भरा पड़ा है, ऐसे उदाहरणों से कि झोपड़ियों से महलों तक की यात्रा करने वाले भी हुए हैं, तो महलों से निकल कर जंगल पहुंचने वाले भी।

बंद आंखों के सपने हों या फिल्मी कैमरे से उतारे खुली आंखों देखे दृश्य, बड़े ही सुंदर, मनभावन और मनोहारी हुआ करते हैं। वाकई कैमरे से देखे गए वही दृश्य जब प्रत्यक्ष खुली आंखों से देखे जाते हैं तब उनमें कुछ भी खास नहीं दिखाई पड़ता। यह हकीकत सबको पता है, फिर भी हम अपनी कल्पना में अपने अतीत को सुनहरा और आकर्षक पाते हैं। उसी अतीत को, जिसकी कड़वी यादें भी जब रील की तरह आंखों के सामने चलने लगती हैं, तब हम कंपकपा जाते हैं। जिस व्यक्ति के साथ हमने लंबा जीवन जीया होता है, अब जिसे लेकर कभी सपने में भी सपने की सोच नहीं पा रहे हों और जीवन एकरस बीतने लगे, तब किसी रात उसे लेकर बेहतरीन सपना आ जाए, तो सपने में सपना आने जैसा

महसूस होता है। तब सोचना पड़ता है कि वाकई कैमरे के दृश्य जितने लुभावने हुआ करते हैं, वैसे ही वह जगह कभी भी हकीकत में वैसी और उतनी आकर्षक नहीं लगती है। शुरूआती दस-बीस माह के साहचर्य में जो रूमानियत हुआ करती है, वह साल-दर-साल न जाने कहां और कब वक्त के अंधड़, तूफानों को सहते हुए रंग-रूप और व्यवहार सब बदल जाया करता है। फिर जीवन की गाड़ी ऐसे चला करती है कि जैसे चलते-चलते कब पहिया धुर्रे से बाहर निकल जाए और गाड़ी बेपटरी हो जाए! कुछ भी विश्वासपूर्वक नहीं कहा जा सकता। वे बोल, जो सुरीले और संगीतमय हुआ करते थे, समय गुजरने के साथ कर्कस और बेसुरे हो जाते हैं। सुर जैसे अब सधते ही नहीं। ऐसे में वह रात भी कितनी हसीन कही जा सकती है, जिसमें सपने के अंदर भी मनभावन सपना देखने का सुअवसर मिल जाए और वैसा दौर, जो दशकों पहले बीत चुका हो! वह सब, वैसा ही अब सपने में भी नसीब नहीं हो पा रहा हो, वह सपने में घटित हो जाए। तब सपने में भी सपने पर विश्वास करना मुश्किल हो जाता है और सपने में पुनः सपना लौट कर आता है कि पहला बेशक सपना रहा होगा, अब जो कुछ देख सुन रहे हैं वह हकीकत है। जबकि जिसे हकीकत माना वह भी सपना ही निकलता है। ऐसा दोहरा सपना जिंदगी में पहली बार घटित होना रोमांच से भर देता है। विचार करते हैं तो पाते हैं कि ऐसे पल सपने में ही क्यों न हुए हो, हुए तो सही! हुआ तो अपने साथ ही! ऐसे पलों को भरपूर जीया जाना चाहिए। ऐसे दुर्लभतम पलों को संजो कर रखने का एक ही तरीका होता है, सृजन में ढालना, लिपिबद्ध करना। ऐसा सपना जो भुलाए से भी नहीं भुलाया जा सकता। पर कब तक? सुबह होने के साथ ही सपने तो पानी के बुलबुले की भांति पल भर में ही विलीन हो जाया करते हैं। हजारों सपने न जाने कहां, कब लुप्त हो जाते हैं। कुछ ही सपने होते हैं जो सुबह तक ठहरते हैं, फिर जिंदगी की भाग-दौड़ में हम कहां और सपनें कहां? माना कि ऐसा हम फिल्मी पर्दे पर देख-सुन पाते हैं, पर वह भी किसी पटकथा लेखक की निरी कल्पना हुआ करता है या कैमरे का कमाल होता है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम अवधि में 11 से 15 अगस्त 2022 तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

प्रखर संत कबीर नगर। अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के क्रम में स्वतंत्रता सप्ताह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम अवधि के दौरान दिनांक 11 से 15 अगस्त 2022 तक जनपद में विभिन्न सांस्कृतिक दलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि संत कबीर अकादमी प्रेक्षागृह, मगहर में दिनांक 11 से 15 अगस्त 2022 तक अलग-अलग सांस्कृतिक दलो द्वारा देश की एकता, अखण्डता एवं देशभक्ति की भावना को प्रेरित करने वाले कार्यक्रमों/लोकगीतों का प्रस्तुतिकरण किया जायेगा। जिसके क्रम में दिनांक 11 अगस्त 2022 को साध्वी सेवादास लोकगायन, दिनांक 12 अगस्त को सुप्रिया वरूण लोकगायन, दिनांक 13 अगस्त को प्रभाकर शुक्ल लोकगायन, दिनांक 14 अगस्त 2022 को चेता सिंह, लोकगायन, एवं दिनांक 15 अगस्त 2022 को प्रमिला उर्फ पप्पी कोयल, लोक गायक दल द्वारा कार्यक्रम को प्रस्तुत किया जायेगा।

कर्बला के मैदान में दफन हुआ ताजिया

प्रखर दानगंज वाराणसी। पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हसन ,हुसैन की शहादत को याद करते हुए सिंधोरा बाजार में मुस्लिम समुदाय के लोगो ने मुहर्रम पर मातम मनाया। आज मुहर्रम महीने का दसवां दिन सबसे खास होता है। आज मुहर्रम के महीने की 10वीं तारीख को कर्बला की जंग में पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हसन, हुसैन की शहादत को याद किया। उनकी शहादत को याद करते हुए सिंधोरा बाजार में, अलाउद्दीन शाह कब्रिस्तान में बने कर्बला के मैदान में ताजिया दफन की रस्म पूरी की गई। उक्त कर्बला मैदान में सिंधोरा से न उठे पांच , सराय शेख लार्ड से दो , बसंतपुर व जमसार तथा गरखरा से एक एक सभी बड़े ताजिया इसके अलावा छोटे छोटे पांच और ताजिया लेकर मातम मनाते लोग पहुंचे। सिंधोरा थाना क्षेत्र के कुल 34 ताजिया विभिन्न कर्बला के मैदान में दफन किए गए। या हसन या हुसैन, कर्बला दूर है जाना जरूर है के नारों के साथ कर्बला में ताजिया पहुंचते रहे। जहां ठंठा कर दफन किया गया। इस अवसर पर थाना सिंधोरा प्रभारी श्री बीएन सिंह तथा कस्बा चौकी प्रभारी आशीष पटेल सहित सभी उपनिरीक्षक, हेड कांस्टेबल, महिला कांस्टेबल के साथ पूरी तरह चुस्त दुरुस्त दिखे।

कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में निकाली गई आजादी की गौरव यात्रा

प्रखर चंदोली। कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में आदर्श नगर पंचायत चकिया में गौरव यात्रा निकाली गई इस अवसर पर चकिया नगर में भ्रमण कर हाथ में तिरंगा लेकर कांग्रेसियों ने देश प्रेम व एकता का संदेश दिया है आपको बता दें कि आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत देशभर में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसको लेकर आदर्श नगर पंचायत चकिया में कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेसियों द्वारा हाथ में तिरंगा लेकर व चकिया नगर में भ्रमण कर देश प्रेम का संदेश दिया गया है इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के चंदौली जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी मधु राय विजय त्रिपाठी आनंद शुक्ला रामजी गुप्ता सतीश बिंद गंगाराम राममूरत गुप्ता प्रेमचंद गुप्ता गुड्डू मिश्रा श्रीकांत पाठक कमलेश कुमार संत विवेक सिंह प्रदीप मिश्रा राहुल सिंह माधवेंद्र मूर्ति ओझा विकास खरवार शिवेंद्र मिश्रा रामजी कोल अभिषेक मिश्रा शिव तपस्या तिवारी सत्येंद्र उपाध्यायअनवर सादात सहित भारी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे।

भारत छोड़ो आंदोलन ने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था

9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे के साथ महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने का काम किया था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे। 9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18 हजार डीआईआर में नजरबंद हुए तथा 60 हजार 229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था। 6 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार

का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति-दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया। गांधी जी ने मौके की नजाकत को भांप लिया और 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया।

1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चैधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचण्ड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी और जनता भी आंदोलन की ओर झुक रही थी। लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। अगस्त क्रांति आन्दोलन में महिलाओं के योगदान को कम तर नहीं आका जा सकता। अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी ने आंदोलन में खूब साथ दिया। अच्युत पटवर्धन, रासबिहारी, मोहन सिंह सरीखे क्रांतिकारियों ने अमूल्य योगदान दिया। 8 अगस्त 1942 को जिस क्रांति का सूत्रपात हुआ उसने यह जाहिर कर दिया कि अब अंग्रेजी हुकूमत टिक नहीं सकती। दरअसल सन 1942 की क्रांति पिछले सत्तावन वर्ष से राष्ट्रीय कांग्रेस जो आंदोलन चला रही थी उसका उफान था।

झोलाछाप की लापरवाही से गई बालक की जान, दर्ज हुआ मुकदमा

प्रखर गोरखपुर। कंदराई निवासी लालचंद यादव का 12 वर्षीय पुत्र प्रिंस यादव पांचवी का छात्र था। आठ दिन से उसके दाहिने पैर के अंगूठे में नाखून धंस रहा था। वह गांव में ही झोलाछाप विजय पासवान से अपना इलाज करवा रहा था। विजय पासवान तीन माह से गांव के ही कंता गुप्ता के मकान में किराये पर कमरा लेकर अपनी प्रैक्टिस कर रहा था। प्रिंस की मां सोमवार की शाम को विजय से अपने बेटे के पैर पर बैंडेज लगवाने गई थी।

इंजेक्शन देने के बाद बालक की बिगड़ी तबियत– प्रिंस की मां पूनम ने बताया कि विजय ने उसके बेटे के पैर की पट्टी खोली और उसे दो इंजेक्शन दे दिया। इंजेक्शन लगने के बाद प्रिंस की तबीयत और खराब हो गई। उसके मुंह से झाग आने लगा। झोलाछाप ने बताया कि उसके बेटे की तबीयत ठीक नहीं है। उसके इलाज के लिए और रुपयों की जरूरत होगी। वह घर रुपये लाने गई। उसके जाते झोलाछाप प्रिंस को लेकर जिला अस्पताल पहुंच गया। इस दौरान वहां पूनम अपने जेठ के लड़के साथ पहुंच गई। उन्हें देखकर विजय चकमा देकर वहां से भाग निकला। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने प्रिंस को मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को प्रिंस के बड़े पिता हरिश्चंद्र की तहरीर पर खजनी पुलिस झोलाछाप विजय के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके उसकी तलाश में जुटी है।

सारा की स्लिम बॉडी का राज वृक्षासन तनाव भी रहता है कोसों दूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी खुद को फैट से फिट बनाने के लिए योग का सहारा लिया था। हाल ही में सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वृक्षासन करते हुए एक तस्वीर शेयर की

वजन बढ़ने से शरीर को कई सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। मोटापा कम करने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। ऐसे में खुद को फिट रखने के लिए आप योग का सहारा ले सकते हैं। योग आपको मानसिक और शरीरक रुप से बलवान बनाने के साथ साथ आपके शरीर में जमा एक्सट्रा फैट को भी बर्न करने में मदद करता है। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी खुद को फैट से फिट बनाने के लिए योग का सहारा लिया था। हाल ही में सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वृक्षासन करते हुए एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'केवल शांति, स्थिरता और हरा रंग ही आपको सही मायने में बुद्धिमान बनाती है .. लेकिन कम से कम मुझे इस बार सही समय मिला है...।' तो चलिए आज आपको बताते हैं वृक्षासन करने से शरीर को क्या फायदे मिलेंगे...

वृक्षासन के फायदे: इस योगासन को रोजाना करने से वजन तेजी से कम होगा।, यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही यह शरीर में जमी चर्बी को कम करता है। अगर हाइट बढ़ाना चाहते हैं तो ये योगासन काफी मददगार साबित होगा। ये योगासन करने से शरीर में संतुलन बना रहता है। वृक्षासन करने से एड़ियों के दर्द से भी राहत मिलेगी और पैरों की मांसपेशियां मजबूत होगी। इसके अलावा ये दिमाग को फ्रेश रखता है। तनाव और डिप्रेशन को दूर करने के लिए ये योगासन काफी फायदेमंद है। वृक्षासन घुटनों के दर्द से राहत दिलाता है।

वृक्षासन करने का तरीका: इसके लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। इसके बाद दाहिने पैर को उठाकर अपने बाएं पैर पर रखें। इस दौरान पैर की उंगुलियां नीचे की तरफ होनी चाहिए। अपना बायां पैर सीधा रखें और बैलेंस बनाएं। इसके बाद अपने हाथों को नमस्ते की मुद्रा में धीरे-धीरे ऊपर ले जाए। ध्यान रखें की ये योगासन करते हुए रीढ़ की हड्डी को बिल्कुल सीधा रखें। अब धीरे-धीरे अपनी नॉर्मल पोजिशन में आएं। इसी तरह अपने दूसरे पैर से भी इसे दोहराएं।

हाल ही में सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वृक्षासन करते हुए एक तस्वीर शेयर की

खाली पेट खाएंगे ये हैल्दी चीजें तो फायदा नहीं होगा नुकसान!

अच्छी सेहत के लिए सही और संतुलित आहार लेने की जरूरत होती है। ऐसे में सुबह का नाश्ता हमारी सेहत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। मगर बहुत से लोग नाश्ते में ऐसी चीजों का सेवन करते हैं जो फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने लगता है। इसके कारण पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। असल में कुछ चीजें ऐसी होती है, जिन्हें खाली पेट खाने से पेट में एसिड अधिक मात्रा में बनने लगता है। ऐसे में कई बीमारियों के होने का खतरा बढ़ता है। तो चलिए जानते हैं उन चीजों के बारे में जिनका खाली पेट सेवन करने से बचना चाहिए।

1. केला: भारी मात्रा में पोषक तत्वों से भरपूर होने से केले का सेवन करने से शरीर स्वस्थ होता है। मगर इसमें मैग्नीशियम और पोटैशियम अधिक मात्रा में होती है। ऐसे में इसका खाली पेट सेवन करने से शरीर में कैल्शियम और मैग्निशियम की मात्रा में संतुलन बिगड़ने लगता है। इसके कारण बेचैनी, उल्टी, घबराहट, सीने में जलन आदि की परेशानियां होने की संभावना बढ़ती है। ऐसे में खाली पेट केले का सेवन करने से बचना चाहिए।

2. टमाटर: टमाटर में कई तरह के एसिड पाएं जाते हैं। ऐसे में इसे खाली पेट खाने से बचना चाहिए। नहीं तो पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कि- पेट दर्द, एसिडिटी, जलन व अल्सर आदि होने का खतरा

3. मसालेदार भोजन: सुबह नाश्ते में यानि खाली पेट ज्यादा मसालेदार और चटपटी चीजों को खाने से बचना चाहिए। असल में, इनमें नेचुरल एसिड मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से पाचन तंत्र बिगड़ने लगता है, जिसके कारण पेट से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं।

4. विटामिन-सी युक्त फल: वैसे तो विटामिन-सी से भरपूर चीजों का सेवन करने से शरीर का बीमारियों से बचाव रहता है। मगर सुबह खाली पेट इनका सेवन करने से सीने में जलन और गैस्ट्रिक परेशानियां होने का खतरा रहता है।

5. सलाद: शरीर को फिट एंड फाइन रखने के लिए सलाद का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसमें फाइबर अधिक मात्रा में मौजूद होने से यह लंबे समय तक नहीं पचता है। ऐसे में वजन कंट्रोल में रहता है। मगर सुबह नाश्ते में यानि खाली पेट सलाद खाने से सीने जलन, पेट में दर्द, जलन, एसिडिटी आदि परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

बांधनी प्रिंट लहंगे, जो आपको देंगे परफेक्ट इंडियन लुक

त्यौहारों की सीजन शुरू हो चुका है। राखी और सावन के बाद गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी आ जाएगी। फेस्टिव सीजन में लड़कियों को सबसे ज्यादा टेंशन अपने आउटफिट्स को लेकर होती है। वह ऐसी ड्रेस पहनना चाहती हैं जो उन्हें यूनिक और स्टाइलिश दिखाने के साथ इंडियन लुक भी दें। ऐसे में आप इस फेस्टिव सीजन में बांधनी प्रिंट लहंगे ट्राई कर सकते हैं। राखी से लेकर जन्माष्टमी के मौके के लिए बांधनी प्रिंट लहंगे बेस्ट ऑप्शन है, जो आपको कम्फर्टेबल के साथ स्टाइलिश व इंडियन लुक देंगे। चलिए आज हम आपको बांधनी प्रिंट लहंगे के कुछ डिजाइन्स दिखाते हैं, जिन्हें आप इस फेस्टिव सीजन अपने वॉर्डरोब का हिस्सा बना सकती हैं।

चेहरे के निखार को वापिस लाएगा पैक अंडे-दूध में मिलाकर लगाएं यह चीज

आज कल के बिजी लाइफस्टाइल के चलते महिलाओं के पास अपनी स्किन केयर के लिए समय ही नहीं होता। पूरा दिन ऑफिस का काम करने के बाद महिलाओं को घर का काम भी करना पड़ता है और पूरा दिन लैपटॉप के आगे बैठकर हमारी आंखों और स्किन पर असर पड़ने लगता है। बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां भी पड़ने लगती है और स्किन भी लटकने लगती है और इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए महिलाएं नाइट क्रीम के अलावा और भी बहुत सारे प्रोडक्टस का इस्तेमाल करती हैं लेकिन उन्हें इस समस्या से छुटकरा नहीं मिलता है लेकिन अगर आप इस चीज का पैक लगा लें तो आपकी स्किन भी टाइट होगी और उस पर निखार भी आएगा। हम बात कर रहे हैं गोंद कतीरे की। गर्मियों में जिसे पीने से शरीर को भरपूर फायदे मिलते हैं लेकिन अगर आप इसका पैक लगा ले तो आपकी स्किन की हर एक प्रॉबल्म दूर हो जाएगी। अगर आपका चेहरा डल हो चुका है

तो आप इस फेस मास्क का इस्तेमाल जरूर करें। यह आपकी त्वचा के लिए एंटी-एजिंग के रूप में काम करता है। गोंद कतीरा तो अक्सर हर घर में होता है लोग इसका सेवन शरबत के साथ करते हैं और यह आपको आसानी से मार्केट में मिल जाएगा।

गोंद कतीरे को चेहरे पर लगाने के फायदे:1. स्किन पोर्स टाइट होते हैं, 2. आपकी स्किन में निखार आता है, 3. स्किन टाइट होती है, 4. फाइन लाइन्स को दूर कर, 5. दिखेंगी जवां

कैसे करें इसका इस्तेमाल: थोड़ा सा गोंद कतीरा लें, उसे पानी में डाले और रात भर ऐसा ही रहने दे फिर सुबह जब आप देखेंगी तो गोंद कतीरा फूला हुआ होगा।, नोट- आप चाहें तो इसे

ऐसे भी अपने चेहरे पर लगा सकती हैं। अब हम आपको बतातें हैं कि आप गोंद कतीरे से अलग-अलग फेस पैक कैसे बना सकती हैं

सामग्री: 1 चम्मच गोंद कतीरा लें, 2 या 3 चम्मच बादाम पाउडर लें, अंडे का येलो हिस्सा निकाल कर उसके वाइड हिस्से को पैक में एड करें।, 3 चम्मच दूध लें।, इसमें थोड़ा सा गुलाब जल एड करें।, इन सब चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें।, इसकी पेस्ट बना लें।

लिवर की सूजन को दूर कर सकते हैं रसोई के ये मसाले, फैटी लिवर के मरीज जरूर करें ट्राय

हल्दी में जो सबसे जरूरी तत्व होता है वो है करक्यूमिन। ये तत्व नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। लिवर में इस बीमारी के कारण आई सूजन को कम करने में भी मददगार है सौंफ का सेवन, साथ ही ये मोटापा घटाने में भी सक्षम है। ह्यूमन बॉडी के सबसे प्रमुख अंगों में से एक है लिवर, ये शरीर में मौजूद टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही, खाना पचाने में भी मददगार है। लिवर के इर्द-गिर्द फैट की मात्रा ज्यादा हो जाती है तो लोग फैटी एसिड की समस्या से पीड़ित हो जाते हैं। आमतौर पर भी लिवर में कुछ मात्रा में फैट मौजूद होता है। लेकिन जब इसके सेल में बहुत अधिक फैट जमा हो जाता है तो फैटी लिवर की बीमारी हो जाती है। इस स्थिति में लिवर में सूजन आने लगती है जिससे उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। मोटापे, हाई बीपी व डायबिटीज के मरीजों को इस बीमारी की चपेट में आने का खतरा अधिक होता है। हालांकि, इस बीमारी से बचाव के लिए रसोई के कई मसाले काम आ सकते हैं, आइए जानते हैं।

सौंफ: सेहत के लिए सौंफ बेहद गुणकारी मानी जाती है, लगभग हर किसी की रसोई में मौजूद सौंफ को लिवर के लिए बेहद कारगर माना जाता है। लिवर में इस बीमारी के कारण आई सूजन को कम करने में भी मददगार है सौंफ का सेवन, साथ ही ये मोटापा घटाने में भी सक्षम है। लिवर को हेल्दी रखने में सौंफ के बीज कारगर हैं। आप खाने के बाद इनका सेवन कर सकते हैं।

दालचीनी: लिवर को हेल्दी रखने में दालचीनी बेहद कारगर साबित हो सकती है। इसमें एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं जो इस बीमारी के कारण लिवर में आई सूजन को कम करने में मददगार है। इसके सेवन के लिए एक बर्तन में एक गिलास पानी और दालचीनी की 2 स्टिक डालें और उसे उबाल लें। 2 से 3 मिनट के बाद पानी को छान लें और सेवन करें। बेहतर परिणामों के लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स रोज सुबह इसके सेवन की सलाह देते हैं।

हल्दी: हल्दी में जो सबसे जरूरी तत्व होता है वो है करक्यूमिन। ये तत्व नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। हल्दी लिवर सेल्स को सुरक्षित रखने में मदद करता है। एक गिलास पानी को उबाल लें और उसमें एक चुटकी हल्दी डालें। आप चाहें तो इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं। फैटी लिवर को दूर करने में इस गुनगुने पानी का सेवन करें।

डायबिटीज के मरीज क्या कर सकते हैं मीठा का सेवन? जानिये

डायबिटीज के मरीजों को दवाइयों के साथ-साथ हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना भी जरूरी होता है। इस बीमारी को जड़ से खत्म करना आसान नहीं है। लेकिन इसे नियंत्रण में रखकर लोग नॉर्मल जिंदगी जी सकते हैं। मरीजों में अनियमित इंसुलिन का स्तर उनके मेटाबॉलिज्म को गलत तरीके से प्रभावित करता है। हल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर साल लगभग 1.6 मिलियन लोगों की जान डायबिटीज के कारण जाती है। मधुमेह रोगियों को अपने खानपान के प्रति विशेष तौर पर सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। उनके शरीर में ग्लूकोज का स्तर ठीक बना रहे इसलिए अक्सर मरीज मीठा खाने से परहेज करते हैं। पर कई बार अपनी क्रेविंग को रोक पाना मुश्किल हो जाता है, ऐसे में आइए जानते हैं कि डायबिटीज के मरीज कभी-कभार कितना मीठा खा सकते हैं।

दालचीनी और नींबू से बना ये काढ़ा इम्युनिटी के लिए है रामबाण, जानिये घर पर बनाने की पूरी विधि

इम्युनिटी मजबूत करने के लिए आयुर्वेद भी एक बेहतर विकल्प है। दालचीनी और नींबू से बना काढ़ा ना सिर्फ इम्युनिटी को मजबूत करता है। जानिये इसे बनाने का सही तरीका।

इम्युनिटी मजबूत करने के लिए काढ़ा: कोरोना वायरस का प्रकोप दुनियाभर में फैल चुका है। कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए लोग अनेकों प्रयास कर रहे हैं। डॉक्टर्स और विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना के संक्रमण का खतरा कमजोर इम्युनिटी वालों को अधिक है।

ऐसे में इम्युनिटी मजबूत करने के लिए हेल्दी फूड्स और लाइफस्टाइल फॉलो करने की जरूरत है। इम्युनिटी मजबूत करने के लिए आयुर्वेद भी एक बेहतर विकल्प है। दालचीनी और नींबू से बना काढ़ा ना सिर्फ इम्युनिटी को मजबूत करता है बल्कि सर्दी-जुकाम और गले की खराश को भी कम करता है। आइए जानते हैं दालचीनी और नींबू का काढ़ा कैसे बनाएं।

काढ़ा बनाने की सामग्री: 1 से 2 चम्मच दालचीनी पाउडर, 1 से 2 चम्मच लौंग का पाउडर,1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1/4

चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1/4 चम्मच हल्दी, कटा हुआ अदरक। काढ़ा बनाने का तरीका: सबसे पहले दालचीनी पाउडर, लौंग का पाउडर, काली मिर्च पाउडर, हल्दी और अदरक को बारीक पीस लें। इसके बाद एक पैन में पानी गर्म करें और 1 से 2 चम्मच इस पाउडर के मिश्रण को इस पानी में डालें। अब इसे कम से कम 20-25 मिनट के लिए उबलने दें। फिर पानी को छान लें और हल्का ठंडा होने पर पिएं। इसमें अंत में आप नींबू के रस को भी मिलाएं। स्वाद के लिए आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं। इस काढ़े को पीना कब होगा फायदेमंद: इस काढ़े को दिन में दो बार जरूर पीना चाहिए। सुबह खाली पेट और सोने से पूर्व इस काढ़े का सेवन करना चाहिए। यदि आप नियमित रूप से इस काढ़े को पिएंगे तो सप्ताह में आपकी इम्युनिटी मजबूत हो सकता है। साथ ही इससे सर्दी-जुकाम और गले में खराश की समस्या भी दूर होती है।

इम्युनिटी बढ़ाने के अन्य टिप्स: लहसुन काफी मात्रा में ऐंटिऑक्सीडेंट बनाकर इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है।, योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इससे भी इम्युनिटी मजबूत करने में मदद मिलती है।, रात में सोते समय गुनगुने पानी से गरारे करें।,पालक में फॉलेट नामक ऐसा तत्व पाया जाता है जो इम्युनिटी मजबूत करता है।, खाना पकाने में हर रोज हल्दी, जीरा, धनिया और लहसुन जैसे मसालों का इस्तेमाल जरूर करें।

गर्मियों में यह हेल्दी ड्रिंक्स आपको बनाए रखेंगी फिट एंड कूल, जानिए...

बाजारों में भी कई तरह के ठंडे ड्रिंक्स मिलते हैं, लेकिन उनमें चीनी और कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है और पोषक तत्व कम होते हैं, जिनका सेवन करना हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। गर्मी के मौसम में जितना ज्यादा पानी पीया जाए उतना हमारी सेहत के लिए अच्छा रहता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि कम पानी पीने से हमारा शरीर डीहाइड्रेशन होने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि आप ज्यादा से ज्यादा पेय पदार्थों का सेवन करें। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहे, पानी युक्त सब्जियां या फलों का सेवन करें। वैसे गर्मियों में हमारा दिल ज्यादा ठंडा खाने या पीने का करता है। ऐसे में हम ठंडे पानी के अलावा अन्य तरह के ड्रींक्स का भी सेवन करते हैं। हालांकि, बाजारों में भी कई तरह के ठंडे ड्रिंक्स मिलते हैं, लेकिन उनमें चीनी और कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है और पोषक तत्व कम होते हैं, जिनका सेवन करना हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। वहीं, आज हम आपको कुछ ऐसे हेल्दी ड्रिंक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो

गर्मियों में आपकी प्यास को बुझाते हुए सेहतमंद शरीर बनाएगी। आइए आपको बताते हैं...

वर्जिन कुकुंबर कुलर: गर्मियों में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाली सब्जी खीरा हमारे सेहत के लिए कई तरह से लाभदायक होती है। इसे काटकर खाया जाए या फिर इसका ड्रिंक बनाकर पीया जाए, ये दोनों ही तरह से हमारे लिए सेहतमंद साबित होती है।

अदरक लीची लेमनेड: गर्मियों में अक्सर लोग लेमनेड यानी नींबू पानी का ज्यादा सेवन करते हैं। वहीं, इस तरह की ड्रिंक में थोड़ा बदलाव करते हुए आप अदरक लीची लेमनेड बना सकते हैं। ये एक हेल्थी ड्रिंक है जो आपकी सेहत के लिए अच्छी साबित होगी। इस बनाने के लिए आपको पुदीने के पत्ते, नींबू का रस, चिया सीड, लीची का रस, अंगूर, अदरक और बर्फ की जरूरत होगी। इन सबको एक साथ मिक्स कर आप एक ठंडी और मजेदार ड्रिंक बना सकते हैं।

अमरूद की ठंडाई: गर्मियों में हेल्दी ड्रिंक्स की लिस्ट में एक नाम अमरूद की ठंडाई का भी शामिल है। इस ड्रिंक को आप किसी त्योहार या पार्टी में भी बना सकते हैं। गर्मियों में फलों के राज आम की कुछ ज्यादा ही मांग होती है और हो भी क्यों न इससे कई तरह के लजीज ड्रिंक जो बनाए जा सकते हैं। वहीं, हेल्दी ड्रिंक्स में से एक आम पन्ना भी है। जिसका सेवन करना हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद रहता है। गर्मियों में लस्सी का सेवन तो ज्यादातर लोग करते हैं। हालांकि, अगर आप लस्सी में मिंट यानी पुदीने के पत्तों को मिलाकर सेवन करेंगे, तो ये और ज्यादा स्वादिष्ट होने के साथ ही एक हेल्दी ड्रिंक भी बन जाती है।

ठंडा जलजीरा: गर्मियों में अगर कुछ चटपटा और हेल्दी पीने का मन करें तो जलजीरा का पानी सबसे पहला और अच्छा चयन रहता है। इसे बनाने के लिए आपको इमली, नींबू का रस, काला नमक और थोड़े गुड़ की जरूरत होगी। आप चाहे तो बाजार से जलजीरा पाउडर भी खरीदकर इस ड्रिंक को तैयार कर सकते हैं।

जसवंत शरबत: गर्मियों में जसवंत शरबत एक हेल्दी ड्रिंक मानी जाती है, जो हमारे सेहत के लिए काफी अच्छी साबित हो सकती है। इस बनाने के लिए हिबिस्कस फूल यानी गुड़हल के फूल में आधे गिलास के करीब दूध, थोड़ा सा पानी, 1 से 2 चम्मच चीनी और 2 चम्मच नींबू के रस को एक साथ मिक्स कर इसमें बर्फ डालकर पी सकते हैं। हेल्दी ड्रिंक को आप किसी फेस्टिवल या पार्टी में भी बना सकते हैं।

जिनी इन ए बॉटल: जो लोगों रम पीना पसंद करते हैं उनके लिए जिनी इन ए बॉटल नामक ये ड्रिंक काफी अच्छी रहेगी। रम में ब्लूबेरी, लैवेंडर सिरप, व्हाइट रम, सोडा और नींबू के रस को एक साथ मिक्स कर आप इस ड्रिंक को तैयार कर सकते हैं।

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

अकेले अपने लिए जीना है मुझे

आजकल वाक्य अकसर सुनाई देता है कि हमें अपने लिए जीना चाहिए। कब तक दूसरों के लिए जीते रहेंगे। ये दूसरे कौन होते होंगे। अपने परिजन, नाते-रिश्तेदार, अड़ोसी-पड़ोसी। कई बार लगता है कि क्या वाकई इस वाक्य के कोई अर्थ है। क्या दुनिया में ऐसा हो सकता है कि अपने लिए कोई जी सके। उसे अपने आसपास और किसी की जरूरत ही न हो। उदाहरण के तौर पर मान लीजिए नौकरी करते हैं तो भी दफ्तरों, कम्पनियों में दूसरों के साथ मिलकर काम करना पड़ता है। टीमवर्क होता है। किसी एक के भरोसे शायद ही कभी कोई संगठन या कार्यालय चलता है। ठीक है कि वहां से पैसे मिलते हैं। लेकिन आप जब इस पैसे का उपयोग करते हैं तो सोचते हैं कि कैसे पैसे के बावजूद हम सब किसी एक के नही बहुत से लोग दूसरों के भरोसे हैं।

बाजार जाते हैं सब्जी, फल, दूध, चावल, ब्रेड, पनीर, नमकीन, खरीदते हैं। आटा खरीदते हैं। इन्हें किसी और ने उगाया, बनाया है। रात-दिन मेहनत की है। दवाएं किसी और ने बनाई हैं। डाक्टर कोई और ही है। जिस बस, कैब, आटो में जा रहे हैं, वे भी कहीं और बनी, कोई और ही चला रहा है। जिन कपड़ों को पहने हैं, वे भी कहीं और तैयार हुए हैं। आज दैनिक जीवन में काम आने वाली तमाम उपभोक्ता वस्तुए फ्रिज, टीवी, अलमारी, मोबाइल, फर्नीचर, वे भी किसी और की निर्मित हैं। मान लीजिए किसान सोचने लगें कि हम अन्न, फल, सब्जियां किसी और के लिए क्यों उगाएं। कम्पनियां भी सोचने लगें कि वे किसी और के लिए तरह-तरह की उपभोक्ता सामग्री का उत्पादन क्यों करें। संगीतकार सोचें कि वे क्यों म्यूजिक एलबम बनाएं, गायक क्यों गाएं, क्यों फिल्में बनें, क्यों कोई पेड़-पौधों की देखभाल करे। क्यों रेडियो, टीवी चलें, क्यों सड़कें, बांध बनें। क्यों कोई वर्षा जल के संचयन के बारे में सोचें। क्योंकि ये सभी चीजें अपने अलावा किसी और के काम भी आती हैं। अगर समाज में सब बस अपने ही लिए जीने लगें तो क्या सोचा है कि ये दुनिया, से सृष्टि कैसे चल सकती है। धरती भी क्यों अपनी धुरी पर घूमती रहे दूसरों के लिए लगातार चौबीसों घंटे। जिस पर हम रहते हैं, हमारे जीने के लिए चांद, सूरज की रोशनी और इस दुनिया के तमाम कार्य व्यापार के लिए धरती का घूमना और सूरज का चक्कर लगाना जरूरी है। उसकी गति भी है। अगर वह अपनी गति से जरा सा भी इधर-उधर हो तो दुनिया में हा-हाहाकार मच जाए। अभी हाल ही में खबर पढ़ी होगी कि धरती कुछ सेकेंड तेजी से चली और दुनिया भर के वैज्ञानिकों में चिंता दौड़ गई। यानि न केवल मनुष्य, पेड़, पौधे, पशु, पक्षी, चांद, सूरज, सितारे, प्रकृति के नियम, सबकी एक-दूसरे पर अंतनिर्भरता है। कोई भी

कोई भी सिर्फ अकेला नहीं जी सकता। मनुष्य के बारे में कहा जाता है कि वह अकेला आता है और अकेला ही जाता है। सच है, लेकिन जीवन के इस सफर में उसे हमेशा दूसरों की जरूरत होती है।

सिर्फ अकेला नहीं जी सकता। मनुष्य के बारे में कहा जाता है कि वह अकेला आता है, और अकेला ही जाता है। सच है, लेकिन जीवन के इस सफर में उसे हमेशा दूसरों की जरूरत होती है। अपने दर्प में वह जरूर अकेलेपन का राग अलाप सकता है, लेकिन वास्तविकता में कोई कभी सिर्फ अपने लिए अपने बल पर न जी सकता है, न इस दुनिया का सामना कर सकता है। यों कहने को हम कुछ भी कहते रहें। अपने एटीट्यूड और अपने स्टाइल स्टेटमेंट दे-देकर खुद को और दुनिया को किसी भ्रम में रख सकें। वैसे भी इस एक वाक्य में कि हमें तो सिर्फ अपने ही लिए जीना है में काफी स्वार्थपरता भी छिपी हुई है या कहिए कि यह फैशन स्टेटमेंट भर है, क्योंकि इन दिनों जो जितना तीखा बोलता है, उसकी उतनी ही चर्चा होती है।

■

बंधनों से ज्यादा हो अपनापन

आनन्द एल राय की रक्षाबन्धन भाई-बहन के प्रेम व त्याग वाली फिल्म है। जिसे पूरी प्लानिंग के साथ ऐन रक्षाबन्धन वाले हफ्ते में रिलीज किया गया। प्रचार तो यह भी किया जा रहा है कि सालों बाद यू सर्टिफिकेट यानी पारिवारिक फिल्म है। फिल्म में भाई अपनी चार बहनों की जिम्मेदारी निभाने का मरती मां को वायदा करता है। जिम्मेदारी यानी, जैसा कि अपने समाज में माना जाता है, लड़कियों/बहनों की शादी करना, उनके लिए उचित वर तलाशना। भाइयों की कलाई में राखी बांधने वाली ढेरों बहनें चाव से यह फिल्म देखने जाएंगी या जा ही रही होंगी। फिल्म इडस्ट्री का तो धंधा ही है, भावनाओं को बेचना। यह तो वक्त ही बताएगा कि लोग इसे कितना भाव देते हैं। दूसरे, बहुत समय बाद भाई-बहन पर फिल्म बनी है। क्योंकि मान लिया गया था कि इस तरह के भावनात्मक संबंधों को देखने-समझने वाले लोग ही नहीं रहें। राय तनू वेड्स मनु, जीरो, अतरंगी सरीखी ढेरों फिल्में डायरेक्ट कर चुके हैं। यह सच है कि अकेले दम फिल्मों या कलम से क्रांति नहीं होती पर चिन्गारी देने में ये पीछे नहीं रहते। भाई-बहन के प्रेम पर जितना भी लिखा जाए, कम ही है। रक्षाबन्धन और इस फिल्म के चलते मेरे दिमाग में कई तस्वीरें कौंधी। मैंने अपने आस-पास भी कई ऐसे भाइयों को देखा, जिन्होंने पिता की मौत के बाद पूरी जिम्मेदारी से बहनों की बेहतरीन शादियां की और सारा जीवन भाई-बहन वाले विधि-विधान भी निभाये। सवाल है कि क्या आज भी लड़कियों का मुस्तकबिल शादी के बंधन के दरम्यान ही सीमित रहना चाहिए। भाइयों बहनों का एक-दूसरे की शादी के लिए जिम्मेदार होना लाजमी है। लेकिन जैसा कि अपने यहां होता है, पुरुषों द्वारा पुरुषवाद को स्थापित रखने और उसे बिखरने से बचाने की कवायद का यह मामूली सा हिस्सा है। पुरुषों को स्त्री से खतरा ही यह है कि वे अपने हकों को छीनना ना सीख जाएं। स्त्री को कमजोर बनाये रखने और उसके आत्मविश्वास को रत्ती-रत्ती छलनी करते रहने में माहिर पुरुषों को रोका नहीं जा सकता। यह प्रेम का बंधन है भाई-बहनों के दरम्यान, इसमें कोई संदेह नहीं। लेकिन यहां तो मुसिफ ही मुजरिम है।

इस हकीकत से मुकरा नहीं जा सकता कि अपने समाज में अभी भी लड़कियों की शादी करना ही उन्हें सेटल करना माना जाता है। लड़की कितनी ही होनहार हो, मेधावी, मेहनती हो, घूमफिर कर सबसे ऊपर ब्याह आ जाता है। उस पर शादियां करने में परिवार की सारी जमापूंजी फुंक जाती है। जिसका छोटा सा हिस्सा भी लड़की के किसी काम का नहीं होता। अब आते हैं, दूसरी बात पर। लड़कियों को मजबूत और स्वावलंबी बनाने के प्रति मशक्कत क्यों नहीं करते नजर आना चाहते हम। बाप जिन्दा हो या अरबपति ही क्यों ना हो। जिस तरह हर पुरुष के लिए कमाऊ होना जरूरी है, वैसे ही स्त्रियों को जेहनी तौर पर इसके लिए राजी करना होगा कि वे स्वालंबी बनें। अपने इंशोरेंस कराएं, मां-बाप के लिए बेहतर पेंशन प्लान या हेल्थ इंशोरेंस लें। अपना वाहन लें। प्रॉपर्टी में इंवेस्टमेंट करें। अपना घर खरीदें। इसके बाद कुछ भी करें। मां-बाप की बताई शादी करें या अपनी पसंद का जीवन साथी चुनें। उसके साथ बनें, तो

रिश्ते को चलाएं वरना कड़ा निर्णय लेकर आगे बढ़ें। स्त्री का वाहैसियत होना जरूरी है। इसके बाद जरूरी है, अपनी लड़कियों को लड़कों के बराबर ही इज्जत दी जाए। उन्हें कमतर आंकने की आदतों से खुद कुटुंब को बाज आना चाहिए। साथ ही, उन्हें अपनी जमीन-जायदाद में बेटों के बराबर का हिस्सा भी खुलेदिल से देने को राजी होना चाहिए। असल बेइमानी तो बेटियों वाले खूब करते हैं। वे मजबूरी में बेटियों को पढ़ा जरूर रहे हैं, मगर जब बात जमीन-जायदाद की आती है तो वे सरक कर बेटों के पक्ष में खड़े हो जाते हैं।

मेरे परिवार में पिता की मौत के बाद बड़े भाई ने अपनी चार बहनों की शादियां कीं। उनकी खुद की शादी हो चुकी थी। उन्होंने काफी दौड़-भाग करके अपनी बहनों के लिए ठीक-ठाक रकम चुकाकर बिरादरी के सरकारी नौकरों से ब्याहा। उसके बाद अपनी चार बेटियों को भी धन-दान करके ब्याहा। वे हमेशा अच्छे भाई कहलाए। बहनों की ससुराल में होने वाले आयोजनों में भात-व्यवहार भी करते रहे। राखी, टीका सब पर बहनों को नाममात्र नगद रकम भी दी सारी जिन्दगी। जो बात मुझे अखरी, वह है उन्होंने अपनी सारी पुस्तैनी जायदाद भाई और बेटे के नाम कर दी। हवेलीनुमा मकान और काफी सारी खेती। किसी बहन, किसी बेटी को उन्होंने दहेज के अलावा सिर्फ वही दिया, जो रीति-रिवाजों के नाम पर लाजमी है। अन्य परिचित परिवार, जिनके पास करोड़ों की संपत्ति है। नशेड़ी भाइयों में से एक भरी जवानी में मर गया, दूसरा देसी नशों का गुलाम है। मगर सारी संपत्ति के मालिक हैं। बेटी की शादी दान-दहेज द्वारा ही की गयी। आज उसके पास सब कुछ है। उसने अपने सरकारी मुलाजिम पति की तंख्वाह से घर बनाये। अपने बेटों को बेहतरीन शिक्षा दी, उनकी बहुत अच्छी तरबियत की। वह बहुत सुखी है। खुश है। मगर भाइयों की तरफ से उस संपत्ति में कुछ फीसद देने का विचार भी नहीं पनपा। मेरी दादी भाई बहन के प्रेम की लोक कथा कहती थीं। जिसमें बुरे वक्त से भाई को बचाने के लिए बहन गांव भर में चिल्लाती है- भइया मरे, भौजइया रांड हो। अन्त में भेद खुलता है, उसने काल को चकमा देने के लिए यह चाल चली थी। कथा के बाद सारी औरतें एकसुर में कहती थीं- जैइसे उनके भाई के साथ हुआ, हमारे भाई के साथ कभी ना हो। ये रीतें सालों-साल, पीढ़ी-दर-पीढ़ी दोहराई जा रही हैं। इन्होंने औरतों के दिमाग पर जालें बुन दिए हैं। वे परंपराओं की दुहाइयां देते हुए दुबक जाना चाहती हैं। उनके हौंसले ही पस्त हैं। केवल कानून बनाने से स्त्री की बुनियाद मजबूत नहीं हो सकती। उसे भावनात्मक संबल चाहिए, पर उसे भी उसके हिस्से भौतिक चीजें दी जानी चाहिए। वह खुश है। बाजार पटे पड़े हैं। सेल लगी है। वह साल दर साल भाइयों की कलाई पर सूत्र बांध रही है। हालांकि उसको रक्षा कहीं से नहीं मिल रही है। फिर भी वह हर साल वह सांकेतिक रूप से भाइयों को रक्षक बने रहने के उलाहने तो दे ही रही है। अगर ये सब भाई ही सुधर जाएं तो समाज में स्त्री के प्रति नजरिया ही बदल जाए। रक्षा बंधनों के कारण ना हो बल्कि जहां कोई बंधन ना हो, वहां भी रक्षक की ही भूमिका में हो भाई।

लड़कियों को लड़कों के बराबर ही इज्जत दी जाए। उन्हें कमतर आंकने की आदतों से खुद कुटुंब को बाज आना चाहिए। साथ ही, उन्हें अपनी जमीन-जायदाद में बेटों के बराबर का हिस्सा भी खुलेदिल से देने को राजी होना चाहिए। असल बेइमानी तो बेटियों वाले खूब करते हैं। वे मजबूरी में बेटियों को पढ़ा जरूर रहे हैं, मगर जब बात जमीन-जायदाद की आती है तो वे सरक कर बेटों के पक्ष में खड़े हो जाते हैं।

■

तिरंगा बर्फी

सामग्री- 500 ग्राम खोया, 100 ग्राम घी, 200 ग्राम चीनी, एक चम्मच इलायची पाउडर, 25 ग्राम कटे हुए बादाम, किशमिश, पिस्ता, खाने वाल हरा और केसरिया रंग 2-3 बूंद, 2 चांदी के वर्क।

विधि- एक पैन में घी गरम कर ले। अब खोया डाल कर धीमी आंच पर तब तक पकाएं जबतक खोए के उपर घी ना दिखने लगे। खोया में चीनी डालकर चलाएं जब चीनी पूरी तरह घुल ना जाए तब इसे एक प्लेट में रखकर ठंडा होने दे। फिर मिश्रण को तीन हिस्से में बांट लें। मिश्रण के एक हिस्से में हरा रंग, एक हिस्सा बिना रंग का सफेद रखें, एक हिस्से में केसरिया रंग मिलाएं। अब थाली में घी लगाएं। और थाली में सबसे पहले हरे रंग वाला परत बिछाएं, फिर सफेद मिश्रण और सबसे ऊपर केसरिया रंग वाला परत बिछाए। बाद में मिश्रण पर बादाम और पिस्ता डालकर ठंडा होने के लिए रख दें। अंत में ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर मनचाहे आकार में तिरंगी बर्फी काटकर इस स्वतंत्रता दिवस पर सबका मुंह मीठा करें।

दही कुल्फी

सामग्री- दही 500 ग्राम, 500 ग्राम पिसा हुई चीनी, एक चम्मच इलायची पाउडर, एक चम्मच जायफल पाउडर, 100 ग्राम पिसा हुआ बादाम, किशमिश 15-20, एक कटोरी पिस्ता और बादाम कटा हुआ, एक चुटकी पीला रंग।

विधि - सबसे पहले दही को किसी सूती कपड़े में रख कर बांध लें फिर उसे टांग दें ताकि दही से पानी निकल जाए। 10-15 मिनट के बाद दही को एक कटोरी में निकाल कर रखें। अब उसमें चीनी, इलायची, जायफल, पीला रंग, बादाम डाल दें। समस्त सामग्री को अच्छे से फेंटे। इतना अच्छा फेंटे कि झाग निकल आए। अब कटा हुआ पिस्ता बादाम मिला कर कुल्फी के सांचे में मिश्रण को डालें और सभी सांचो को डिप फ्रीज में दो घंटा के लिए रख दें। तय समय के बाद फ्रिज से निकाल कर परोसें ठंडी-ठंडी स्वादिष्ट कुल्फी।

वजन घटाने वाले खाद्य पदार्थ

यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो व्यायाम के साथ-साथ स्वस्थ खाने का भी तरीका अपनाएं, जिसमें ताजे फल, सलाद, अंकुरित अनाज, सूप, ताजे फलों का रस और अन्य कम कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ शामिल हैं। वजन घटाने की आहार योजना के बारे में डॉक्टर से चर्चा करें और वजन बढ़ने के कारणों की जांच करें। पूछें कि क्या विटामिन और खनिज की खुराक की आवश्यकता है। यदि गर्भवती हैं या स्तनपान कराने वाली मां हैं तो आहार और परहेज के बारे में डॉक्टर से परामर्श करने का और भी कारण है। नीबू विटामिन सी का समृद्ध सोत है और गर्मी के महीनों के दौरान सबसे ताजा हो सकता है। वजन पर नजर रखने वालों को यह फायदेमंद लगेगा।

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

- ग्रीन टी को महत्व दिया गया है। वर्तमान शोध से स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों में ग्रीन टी के असंख्य लाभों का भी पता चला है। ग्रीन टी पीने को किसी भी अन्य पेय की तुलना में बेहतर माना जाता है, क्योंकि इसमें उच्च एंटीऑक्सीडेंट सामग्री होती है। इसमें पॉलीफेनोल्स होते है, जो शक्तिशाली प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते है। बिना चीनी वाली ग्रीन टी पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है। यह वसा के ऑक्सीकरण को बढ़ाता है और शरीर से पानी के अतिरिक्त स्तर को समाप्त करता है। ग्रीन टी को टैनिन की उपस्थिति के कारण कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और रक्तचाप को भी कम करने के लिए कहा जाता है। हालांकि, जो लोग ऐसी बीमारियों की दवा ले रहे हैं, उन्हें डॉक्टर की सलाह के बिना दवा बंद नही करनी चाहिए।
- सौंफ वजन कम करने में भी मदद करती है क्योंकि यह ऑक्सीकरण क्षति को रोकने में मदद करती है। खिनजों में समृद्ध है और कम कैलोरी वाला भोजन है। यह सूजन को शांत करता है और पाचन में मदद करता है। इसे खाने के बाद चबाया जा सकता है। सौंफ को रात भर पानी में भिगो दें और अगली सुबह पानी पी लें।
- खरबूजे में कैलोरी भी कम होती है। वे विटामिन और खनिजों में समृद्ध है, जिन्हें वजन घटाने में मदद करने के लिए कहा जाता है। वे विशेष रूप से पेट पर वसा के संचय को रोकने में भी मदद करते है। अन्य खट्टे फलों की तरह अंगूर भी फैट बर्न करने और वजन कम करने में मदद करता है। इसका सफाई प्रभाव पड़ता है और विषाक्त पदार्थो को हटाने में मदद करता है। यह विटामिन सी, फोलिक एसिड, पोटेशियम और पेक्टिन में समृद्ध है। कुछ किस्मों में विटामिन ए भी होता है। इसे वजन घटाने वाले आहार में शामिल किया जा सकता है।

- ब्रोकली और पत्ता गोभी जैसी सब्जियां भी वजन कम करने में मदद करती है। पत्ता गोभी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करती है। इसे स्टर फ्राई करें या सलाद में। ब्रोकली को स्टिर फ्राई या हल्का पकाकर भी चला सकते है।

■

बोलने में कठिनाई वाले बच्चों की किताबें

कई बच्चों में बचपन के दौरान बोलने में कठिनाई का अनुभव करते हैं, बच्चों के लिए संवाद करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, कम आत्मसम्मान और कम आत्मविश्वास जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। यही पर पुस्तकें वरदान साबित होती हैं। पुस्तकें उत्कृष्ट भाषण चिकित्सा उपकरण हैं और अभिव्यक्ति संबंधी विकारों को दूर करने के लिए सही दृष्टिकोण हैं। आइए बच्चों के लिए किताब पढ़ने के फायदों पर नजर डालते हैं-

पुस्तकें उत्कृष्ट भाषण चिकित्सा उपकरण - किसी के बोलने का प्रवाह, किसी पाठ को तेज और स्पष्ट रूप से पढ़ने की क्षमता है। पढ़ने से बच्चों को प्रवाह में सुधार करने और शब्दों के उच्चारण और जोर देने के तरीके पर प्रतिक्रिया प्राप्त करने का मौका मिलता है। परिणामस्वरूप, बच्चा आत्मविश्वास से और बिना किसी कठिनाई के पढ़ सकता है।

बच्चे की समझ में सुधार - समझ पढ़ने की आधारशिला है। हर बार जब बच्चे को कोई किताब पढ़ कर सुनाते हैं या उनको पढ़ने के लिए कहते हैं, तो वे कहानी के बारे में अधिक सीखते हैं। जब वे किताब पढ़ते हैं या चित्रों को देखते हैं, तो वे कहानी के अर्थ में गहराई से उतरते हैं, जो उन्हें और अधिक जटिल कथाओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किताबें बच्चों को उनके मस्तिष्क के उस हिस्से को उत्तेजित करके साक्षरता क्षमता विकसित करने में मदद करती हैं जो उन्हें शब्दों के अर्थ को समझने की अनुमति देता है।

बच्चों की महत्वपूर्ण सोच विकसित - बच्चों को छोटी उम्र से ही गंभीर रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित करना, उन्हें स्वतंत्र, आत्मविश्वासी और व्यापक विचारों वाले व्यक्तियों के रूप में विकसित होने में मदद करने के लिए आवश्यक है। जब बच्चों के सामने जोर से पढ़ते हैं तो वे व्यस्त हो जाते हैं।

अर्थपूर्ण भाषा कौशल - अर्थपूर्ण भाषा कौशल महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बच्चों को उनकी जरूरतों, चाहतों, विचारों और विचारों को अभिव्यक्त करने, उनके लेखन कौशल में सुधार करने और सामाजिक संबंधों में संलग्न होने में सक्षम बनाता है। किताबें बच्चों को अपने विचार व्यक्त करने और अर्थपूर्ण भाषा कौशल का अभ्यास करने की अनुमति देती हैं।

पढ़ने को मजेदार बनाएं- बच्चे मूर्खतापूर्ण आवाजों को पसंद करते हैं इसलिए पुस्तक को और अधिक रोचक बनाने के लिए आवाज का उपयोग करें। कुछ शब्दों को बढ़ा-चढ़ा कर बताने से बच्चे को शब्दों का अर्थ समझने में मदद मिलेगी, यह बच्चे को व्यस्त रखने का शानदार तरीका है।

रोजाना पढ़ें- किसी भी चीज में अच्छा होने के लिए नियमित अभ्यास शामिल है इसलिए पढ़ने को नियमित गतिविधि बनाने पर ध्यान दें। इस तरह, यह आदत बन जाएगी और दिनचर्या का हिस्सा बन जाएगी।

शब्दों पर ध्यान दें- जैसे ही बच्चों को किताब पढ़ कर सुनाते है, तब शब्दों के नीचे उंगलियों को चलाएं और आवाज बदलकर महत्वपूर्ण शब्दों या अज्ञात शब्दों पर जोर दें। इससे बच्चों को शब्द पर ध्यान देने और उनकी शब्दावली का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

किताब को बार-बार पढ़ें- आगे की सोच और बार बार दोहराना, बच्चों में सीखने को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए, उन्हें वही पुरानी कहानी सुनाने की कोशिश करें और देखें कि क्या वे रिक्त स्थान भर सकते हैं। इसके अलावा, उन्हें वही कहानी पढ़ने के लिए कहें, क्योंकि ऐसा करने से उनके पढ़ने के कौशल में सुधार होगा।

■ नेहा जैन

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(१०अगस्त-१६अगस्त)

मेष (21मार्च-20अप्रैल)- करियर में बदलाव कुछ कठिनाइयों से गुजरने के बाद ही दिखेगा। काम से सम्बंधित जो भी कठिनाइयां आ रही है, उनका डटकर सामना करें। इच्छा शक्ति को और प्रबल बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं। परिवार को अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता होगी। शारीरिक स्वास्थ्य से अधिक मानसिक स्वास्थ्य को ठीक बनाने के लिए अधिक प्रयत्न करने होंगे। भावनात्मक रूप से मजबूत बनने की कोशिश करनी होगी।

वृषभ (21अप्रैल - 21मई)- व्यक्तिगत जीवन में प्रगति दिखाने के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वरु प से भी प्रगति दिखाएगा। भौतिक सुखों को प्राप्त करने की सभी प्रकार की इच्छाएं पूरी होंगी। हर काम में प्रगति देखने के साथ-साथ संयम की हर कदम पर परीक्षा होगी। किसी भी छोटी बात से जल्दी हार ना मानें। महिलाओं पर परिवार सम्बंधित जिम्मेदारिओं का बोझ बढ़ सकता है। आर्थिक निवेश के लिए समय उपयुक्त है।

मिथुन (22मई -21जून)- आगे बढ़ते रहने का जज्बा रहेगा, लेकिन छोटी कठिनाईयां आने के बाद उत्साह तुरंत कम हो सकता है। इच्छाशक्ति और भी बढ़ाने की आवश्यकता होगी। किसी भी कार्य में करीबी लोगों का सहयोग महत्वपूर्ण बना रहेगा। कठिन परिस्थिति में मार्गदर्शन प्राप्त होगा और समस्या का समाधान भी तुरंत मिलेगा। विचारों को और खुला रखने की आवश्यकता पड़ सकती है।

कर्क (22जून-22जुलाई)- भावनाओं के प्रति अधिक जागरूकता दिखाने की आवश्यकता है। भावनाओं का अधिक असर की वजह से महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय प्रैक्टिकल रहे। नौकरी करने वालों को मनचाहे शहर में तबादला या नौकरी के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। नया व्यवसाय शुरू करने वाले हैं, उनको पैसे से सम्बंधित रिस्क नहीं लेना चाहिए आगे बढ़ते रहें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें।

सिंह (23जुलाई-21अगस्त)- नौकरी छोड़ने के पूर्व अच्छे से सोच विचार कर लें। जल्दबाजी में कोई निर्णय ना लें। व्यवसाय सम्बंधित मार्केटिंग योग्य दिशा में करना आवश्यक है। इससे सम्बंधित ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है। यदि प्रॉपर्टी लेना चाहते हैं तो दस्तावेजों को ठीक से पढ़कर ही निर्णय लें। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। योग एवं ध्यान अपनाएं।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- करियर के प्रति और आर्थिक स्थिरता पाने के लिए अधिक गंभीर हो जाएंगे, किसी लक्ष्य पर एकाग्र होने की वजह से अन्य बातों की तरफ शुरुआत में लापरवाह हो सकते हैं लेकिन धीरे धीरे सभी बातों में संतुलन बनाए रखना संभव होगा। उच्चाधिकारियों के साथ सम्बन्ध सुधारने लगेंगे। शरीर को योग, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार द्वारा तंदुरुस्त बनाने की कोशिश करें। खर्चे पर नियंत्रण रखें।

तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)- करियर सम्बंधित बातों में तुरंत प्रगति देख पाना मुश्किल हो सकता है लेकिन प्रयत्न करके परिस्थितयां पक्ष में भी होंगी। व्यवसाय करने वाले को अधिक मेहनत करने की आवश्यकता होगी। मेहनत का फल तुरंत प्राप्त होना मुश्किल हो सकता है इसीलिए प्रयत्न करते रहें। वाद विवाद होने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। पति-पत्नी के बीच मतभेद होने है।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवम्बर)- स्वभाव में उग्रता रहेगी और उदास महसूस करेंगे। समायोजन लगभग हर स्तर पर आवश्यक है। धैर्य रखना होगा और चीजों को हस्तक्षेप से बचने की जरुरत है। फिजूलखर्चो से बचें। जीवनसाथी अथवा साझेदार से मनमुटाव हो सकता है। जीवन के लिए दृष्टिकोण में व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। रुके हुए कार्य पूर्ण होने में थोड़ा वक्त और लग सकता है। योग अथवा व्यायाम अपनाएं।

धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)- नकारात्मक विचारों को खत्म करें और रचनात्मक सोच को लाएं। जीवन को दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। मित्रों एवं परिवार के साथ समय व्यतीत करें जिससे रिश्तों में मधुरता बनी रहे। वित्तीय मामलों में सतर्कता बरतें। यदि नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो इस्तीफा देने से पूर्व अच्छे से सोच विचार कर लें।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- ईगो छोड़कर परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने की सख्त आवश्यकता रहेगी। प्रगति या विशेष पद की प्राप्ति के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए जीवनसाथी की भावनाओं की अनदेखी से बचें।

कुम्भ (21जनवरी-19फरवरी) - अभी तक जो आर्थिक अस्थिरता नौकरी में दिख रही थी, वो दूर होने लगेगी। नौकरी में बदलाव या मनचाही नौकरी मिलने की सम्भावना है। महिला अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। तनाव को सभी दूर करने की कोशिश करेंगे। विवाह का योग बन रहा है। खर्च के प्रति सतर्क रहें।

मीन (29फरवरी-20मार्च)- चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर क्या कमा रहे हैं और किस प्रकार से अपना व्यवसाय आगे बढ़ाएंगे, ध्यान रखना जरूरी है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। काम से जुड़ी उलझनें हो सकती हैं। सावधान रहना बेहद आवश्यक रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

ब्रांड एम्बेसडर बने अली

कोलकाता। इमामी लिमिटेड हाउस के आयुर्वेदिक हेयर एवं स्कैल्प केयर ब्रांड, केश किंग ने अभिनेता अली फज़ल को अपने एंटी-डैंड्रफ शैम्पू वैरिएंट का ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। भारत में डैंड्रफ शैम्पू की 33 प्रतिशत पहुंच है। इसमें, आयुर्वेदिक डैंड्रफ शैम्पू अपने कास्मेयटिक समकक्षों की तुलना में विकास की तीव्र दर का आनंद उठाते हैं और ये आगे भी वृद्धि का वादा करते हैं। कंपनी का दावा है कि यह शैम्पू उपभोक्ताओं के बालों के लिए एक बेहतरीन और भरोसेमंद उत्पाद साबित होगा।

जेएसडब्ल्यू का उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड के कच्चे इस्पात का उत्पादन जुलाई 2022 में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 15.69 लाख टन पर पहुंच गया। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि जुलाई 2021 में उसने 13.82 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया था। इसके अलावा जुलाई 2022 में कंपनी के 'फ्लैट रोल' उत्पादों का उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर 10.72 लाख टन हो गया, जो पिछले साल के इसी महीने में 9.34 लाख टन था।

बिग स्पून ने पूंजी जुटाई

मुंबई। क्लाउड किचन स्टार्टअप बिग स्पून ने आईएएन और एनबी वेंचर्स के नेतृत्व वाले निवेश दौर में 100 करोड़ रुपए का वित्तपोषण जुटाया है। बिग स्पून ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि बालीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय ने भी इस दौर में निवेश किया। साथ ही गो-वेंचर्स, लेट्स वेंचर, ग्रिप इन्वेस्ट और एनीकट कैपिटल जैसे निवेशकों ने भी निवेश दौर में भाग लिया है। परामर्श कंपनी क्रीडकैप एशिया ने निवेश के इस दौर में बिग स्पून की मदद की। इस निवेश से 75 शहरों में 250 से अधिक क्लाउड किचन खोले जाएंगे।

एमआरएफ का लाभ घटा

नई दिल्ली। टायर कंपनी एमआरएफ लि. का एकीकृत परिचालन लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 25.35 प्रतिशत घटकर 123.6 करोड़ रुपए रहा। एमआरएफ लि. ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। एक साल पहले 2021-22 की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 165.58 करोड़ रुपए था। कंपनी की एकीकृत आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 5,695.93 करोड़ रुपए रही।

एसटीएफ की ब्याज दर बढ़ी

नई दिल्ली। श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस (एसटीएफ) कंपनी ने विभिन्न परिपक्वता अवधि की सावधि जमाओं (एफडी) पर ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत तक की वृद्धि की घोषणा की है। नई दरें 10 अगस्त से प्रभावी होंगी। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि नई ब्याज दरें 12 से 60 महीने (एक से पांच साल) की जमा पर लागू होंगी। सावधि जमा दरों में प्रतिवर्ष 0.25 प्रतिशत से 0.50% की बढ़ोतरी के साथ, ग्राहक एफडी पर 8.75 प्रतिशत तक का ब्याज पा सकेंगे।

जीई पावर के घाटे में कमी

नई दिल्ली। जीई पावर इंडिया का घाटा वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में कम होकर 59.02 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। इससे पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 114.99 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। जून तिमाही में कंपनी की कुल आय 520.02 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 551.20 करोड़ रुपए थी।

नाटको को चार गुना मुनाफा

नई दिल्ली। नाटको फार्मा लिमिटेड का 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ चार गुना से अधिक होकर 320.4 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। फार्मास्युटिकल खंड की आय बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। नाटको ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 75 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की एकीकृत परिचालन आय पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 410.3 करोड़ रुपए के मुकाबले 884.6 करोड़ रुपए हो गई।(एजेंसियां)

गोल्ड ईटीएफ से भंग हुआ निवेशकों का मोह

नई दिल्ली (भाषा)। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से जुलाई, 2022 के दौरान 457 करोड़ रुपए की निकासी हुई है। निवेशकों ने अपना पैसा अन्य परिसंपत्ति वर्गों में लगाया जिसके कारण यह निकासी हुई है।

एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, जून, 2022 में ईटीएफ में 135 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया था। मॉर्निंगस्टार इंडिया में वरिष्ठ विश्लेषक कविता कृष्णन ने कहा कि बढ़ती ब्याज दरों के कारण पीली धातु की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट शुरू हो जाने के कारण गोल्ड ईटीएफ से निवेशकों ने निकासी की है।

उन्होंने कहा कि रुपए में गिरावट ने भी सोने की मांग और आपूर्ति को प्रभावित किया है। यह प्रवृत्ति वैश्विक स्तर पर भी देखी गई है, जिसमें सोने की कम कीमतों के कारण गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों ने निकासी की है। इस निकासी के साथ गोल्ड ईटीएफ में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां घटकर 20,038 करोड़ रुपए रह गई हैं, जो जून में 20,249 करोड़ रुपए थीं।

इस श्रेणी में समीक्षाधीन अवधि में फोलियो की संख्या 37,500 बढ़कर 46.43 लाख पर पहुंच गई। फोलियो की संख्या बढ़ने का मतलब इस क्षेत्र में नए निवेशक बढ़े हैं या पुराने निवेशकों ने नए फोलियो में निवेश किया है।

रिपोर्ट

- जुलाई में हुई कुल 457 करोड़ रुपए की निकासी
- निवेशकों ने सोने से पैसा निकाल कर दूसरी जगह लगाया
- जून में गोल्ड ईटीएफ में आया था 135 करोड़ का निवेश
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें घटने से कम हुआ है निवेश
- रुपया कमजोर होने से सोने की मांग और आपूर्ति प्रभावित
- इसके चलते अब कीमतों में आ रही है गिरावट

श्रीलंका में 50 नए पेट्रोल पंप खोलेगी इंडियन आयल

कोलंबो (भाषा)।

भारतीय पेट्रोलियम कंपनी इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी) गंभीर आर्थिक एवं ईंधन संकट से जूझ रहे श्रीलंका में 50 पेट्रोल पंप खोलकर पड़ोसी देश में अपने कारोबार का विस्तार करेगी।

आईओसी की श्रीलंकाई इकाई एलआईओसी के प्रबंध निदेशक मनोज गुप्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंपों के तेल भंडारण टैंक एवं अन्य जरूरी उपकरणों का बोझ कंपनी उठाएगी जबकि जमीन एवं अन्य ढांचागत खर्च पंप संचालक उठाएंगे।

गुप्ता ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'हमें 50 नए पेट्रोल पंप खोलने की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए हम श्रीलंका सरकार का आभार जताते हैं।'

पूर्व विधायक के जन्मदिन पर मरीजों में बांटा फल

प्रखर अहरौरा,मिजार्पुर। पूर्व विधायक टीएमसी नेता ललितेश पति त्रिपाठी के जन्म दिवस के अवसर पर समर्थक एवं कार्यकताओं ने स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों के बीच फल वितरण कर जन्म दिवस मनाया चिकित्सक एवम नर्सों ने भी फल वितरण में सहभागिता की । फल वितरण करने वालों में युवा टीएमसी नेता सुधांशु अग्रहरी उर्फ रानू अग्रहरि, राहुल केसरी, गौरव अग्रहरि, दुर्गा मोदनवाल, समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नक्सल मीटिंग में शामिल होने जा रहे नौगढ़ में तैनात चौकी प्रभारी सड़क दुर्घटना में हुए घायल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। चंदौली के थाना नौगढ़ स्थित हरियाबाद चौकी पर तैनात चौकी प्रभारी मिजार्पुर के जमालपुर थाना स्थित शेरवा चौकी पर नक्सल मीटिंग में शामिल होने के लिए बाइक से जाते समय अहरौरा थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग स्थित खास डीह गांव के पास कार के धक्के से हुवे घायल। सूचना पर पहुंचे थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने घायल उप निरीक्षक विजय राज उम्र 45 वर्ष को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहीं दुर्घटना करके भाग रहे कार को घेर कर पकड़ लिया। घायल उपनिरीक्षक को दोनों पैर एवं सर में चोट आई हैं स्थानीय पुलिस ने चंदौली पुलिस को दुर्घटना की सूचना दे दी थी। चंदौली के थाने के उप निरीक्षक की सड़क दुर्घटना में घायल होने की सूचना जैसे ही क्षेत्राधिकारी नौगढ़ रघुराज को मिली उन्होंने तत्काल अस्पताल पहुंचकर उप निरीक्षक का हाल जाना।

मनऊर में जर्जर सड़क पर फहराया तिरंगा

प्रखर जमालपुर, मिजार्पुर । आजादी के अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर अन्न दाता मंच द्वारा पुर्व निर्धारित कार्यक्रम हर जर्जर जगह तिरंगा अभियान के तहत आज १० अगस्त को ग्राम-मनउर,विकास खण्ड-जमालपुर,मीरजापुर में मुराहु सिंह इंटर कालेज मनउर,मीरजापुर के सामने से गुजरने वाले जर्जर संपर्क मार्ग पर तिरंगा फहराते हुए राष्ट्र गान गाकर संपन्न हुआ।तिरंगा फहराने के बाद अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह ने कहा कि इस राष्ट्रीय पर्व पर हमें महलों के साथ-साथ झोपड़ी को भी देखना पड़ेगा,हाइवे के साथ ग्रामीण जर्जर सड़कों को भी देखना पड़ेगा।बहुत सारे लोग अभी भी मिट्टी के घरों में रहने के लिए मजबूर हैं।शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क,बिजली, पानी,सिंचाई आदि मूलभूत सुविधाओं पर भी ध्यान देने की जरूरत है।तिरंगा फहराने वालों में चौधरी रमेश सिंह सहित रामशरन सिंह,राजन सिंह,सुरेंद्र सिंह,चंद्र भुषण सिंह,राम अवध,मधु,जय प्रकाश,राम जी,प्रेम,संतोष,अमीत,लक्ष्मी, सुनिता आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

एयरटेल की 5जी सेवाएं इसी महीने शुरू होंगी

नई दिल्ली (भाषा)।

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल इसी महीने से 5जी सेवाएं शुरू करने जा रही है। कंपनी का लक्ष्य मार्च, 2024 तक देश के सभी शहरों तथा प्रमुख ग्रामीण क्षेत्रों में 5जी सेवाएं शुरू करने का है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्टल ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने यह भी कहा कि देश में मोबाइल सेवाओं की कीमत काफी कम है और इसे बढ़ाए जाने की जरूरत है विट्टल ने कहा, 'हमारा 5जी सेवाएं अगस्त से शुरू करने का इरादा है। जल्दी ही इसे देशभर में पहुंचाया जाएगा। हमें भरोसा है कि हम मार्च, 2024 तक देश के प्रत्येक शहर और प्रमुख ग्रामीण इलाकों में 5जी सेवाएं शुरू कर देंगे।' उन्होंने कंपनी के वित्तीय परिणाम पर बातचीत में कहा, "वास्तव में, देश में 5,000 शहरों में नेटवर्क क्रियान्वयन की विस्तृत योजना पूरी तरह तैयार है। यह कंपनी के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा क्रियान्वयन होगा।'

भारती एयरटेल ने हाल में संपन्न स्पेक्ट्रम नीलामी में पूरे देश में 3.5 गीगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में 19,867.8 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी हासिल की। कंपनी ने कुल 43,040 करोड़ रुपये में निम्न और मध्यम बैंड में स्पेक्ट्रम खरीदा है। विट्टल ने कहा कि कंपनी का पूंजी व्यय मौजूदा स्तर पर बना रहेगा। उन्होंने महंगे और बेहतर माने जाने वाले 700 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम खरीदने की जरूरत को तवज्जो नहीं दी। इस बैंड में स्पेक्ट्रम से अन्य बैंड के मुकाबले दूरसंचार सेवाओं के लिए कम मोबाइल टावर लगाने की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, "हमारी प्रतिस्पर्धी कंपनियां के पास बड़े स्तर पर मध्यम बैंड स्पेक्ट्रम नहीं है। अगर हमारे पास इतने बड़े स्तर पर मूल्यवान मध्यम बैंड में स्पेक्ट्रम नहीं होता, तो हमारे लिये 700 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता।'

कस्टम विभाग को यात्रियों का ब्योरा देंगी एयरलाइंस

- सरकार ने सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का ब्योरा देना अनिवार्य किया
- उड़ान के 24 घंटे पहले देनी होगी सूचना
- देश छोड़ने वाले अपराधियों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने विमानन कंपनियों से उड़ानों के प्रस्थान से 24 घंटे पहले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के संपर्क, पीएनआर विवरण और भुगतान से जुड़ी जानकारी सीमा-शुल्क अधिकारियों के साथ साझा करने को कहा है।

वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि यात्रियों के विवरण से मिलने वाली सूचना का इस्तेमाल देश में आने वाले या देश से बाहर जाने वाले यात्रियों की निगरानी में सुधार और जोखिम मूल्यांकन के लिए किया जाएगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने सोमवार को 'यात्री नाम रिकार्ड सूचना विनियम, 2022' को अधिसूचित करते हुए विमानन कंपनियों को अनिवार्य रूप से इसका अनुपालन करने को कहा है। इस विनियम का उद्देश्य यात्रियों का 'जोखिम विश्लेषण' करना है ताकि आर्थिक और अन्य अपराधियों को देश छोड़कर भागने से रोका जा सके। इसके साथ ही इस प्रावधान से तस्करी जैसे किसी भी अवैध गतिविधियों की जांच करने में मदद मिलेगी।

इसके साथ ही भारत अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों के पीएनआर का ब्योरा इकट्ठा करने वाले 60 देशों की सूची में शामिल हो गया है। अधिसूचना के मुताबिक, 'प्रत्येक एयरलाइन यात्रियों के नाम एवं अन्य रिकार्ड की जानकारी सीमा-शुल्क विभाग को देगा। परिचालक यह जानकारी सामान्य कारोबारी परिचालन के तहत पहले ही इकट्ठा कर चुके है।' अधिसूचना में कहा गया है कि प्रत्येक विमानन कंपनी को इस नियम के अनुपालन के लिए सीमा शुल्क विभाग के पास पंजीकरण कराना होगा। विमानन कंपनियों को भारत आने वाले और भारत से जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सूचना देनी होगी। इस सूचना में यात्री का नाम, बिलिंग / भुगतान जानकारी (क्रेडिट कार्ड नंबर), टिकट जारी करने की तारीख के साथ एक ही पीएनआर टिकट पर यात्रा करने वाले अन्य लोगों के नाम भी शामिल होंगे।

सरकार ने उड़ान के 24 घंटे पहले अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों के पीएनआर की जानकारियां सीमा-शुल्क विभाग को देने का प्रस्ताव पांच साल पहले के बजट में ही रखा था। लेकिन इसका औपचारिक ढांचा अब जाकर सामने आ पाया है। हालांकि, सरकार ने इस तरह की व्यवस्था को जरूरी करने के पीछे की वजह नहीं बताई है। लेकिन विश्लेषकों ने कहा कि यह प्रावधान बैंकों का कर्ज न चुकाने वाले कर्जदारों को देश छोड़कर भागने से रोकना है।

सरकार खुद संसद में कह चुकी है कि नीरव मोदी, मेहुल चोकसी और विजय माल्या जैसे कुल 38 आर्थिक अपराधी पिछले पांच वर्षों में देश से भाग चुके है। इस अधिसूचना के मुताबिक, इस नियम का पालन नहीं करने पर एयरलाइन को हर उल्लंघन पर न्यूनतम 25,000 रुपए और अधिकतम 50,000 रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर अन्य कानूनी एजेंसियों को भी यात्रियों से जुड़ी जानकारी साझा की जा सकेगी।

- इस नियम से यात्रियों का जोखिम विश्लेषण करना हो जाएगा आसान
- तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों की जांच में भी हो जाएगी आसानी
- सरकार के इस फैसले से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का ब्योरा एकत्र करने वाले 60 देशों की सूची में भारत भी शामिल हुआ

बैंको का एमएसएमई को कर्ज दोगुना हुआ

मुंबई (भाषा)। कोविड-19 महामारीपूर्व के स्तर की तुलना में बैंकों का छोटे कारोबारियों को ऋण वितरण दोगुना हो गया है। बैंक हालांकि सतर्क बने हुए हैं और मौजूदा ग्राहकों को ऋण देने पर जोर दे रहे हैं। ऋण से जुड़े आंकड़ों को एकत्र और विश्लेषण करने वाली कंपनी ट्रांसयूनियन सिबिल की रिपोर्ट के अनुसार सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) से ऋण की मांग वित्त वर्ष 2021-22 में महामारीपूर्व स्तर के मुकाबले 1.6 गुना थी।

रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2022 तक कुल सक्रिय एमएसएमई उधारकर्ताओं की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में छह प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 70 लाख रही। रिपोर्ट में कहा गया है, 'कुल एमएसएमई कर्जदारों की वृद्धि में कमी आई है क्योंकि ऋणदाता मौजूदा ग्राहकों को ऋण देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।' छोटे व्यवसायों को ऋण देना दरअसल एक नीतिगत उद्देश्य है। रिपोर्ट के अनुसार, एमएसएमई को ऋण का वितरण महामारी पूर्वस्तर की तुलना में दोगुना हो गया है।

एक देश एक राशन कार्ड योजना के तीन साल पूरे

नई दिल्ली (भाषा)।

गोरखपुर निवासी प्रेमलता और दरभंगा निवासी मंजूर आलम सोमवार को पीडीएस प्रणाली के तहत राष्ट्रीय राजधानी में अपना सब्सिडी वाला राशन प्राप्त करने को लेकर उत्साहित हैं।

दोनों केंद्र सरकार की 'एक देश, एक राशन कार्ड' योजना के लाभार्थियों में से हैं। इस योजना के माध्यम से पात्र लोग देश में कहीं से भी खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। यह योजना अब पूरे देश में लागू कर दी गई है। इसमें असम जून, 2022 में शामिल होने वाला नवीनतम राज्य है।

ओएनओआरसी को नौ अगस्त, 2019 को चार राज्यों में एक प्रायोगिक परियोजना के रूप में शुरू किया गया था और अब इसके तीन साल पूरे हो गए हैं।

भारतीयों को भा रही दुबई की सैर

- साल की पहली छमाही में भारत से 8.58 लाख पर्यटक पहुंचे दुबई

मुंबई (भाषा)।

घूमने-फिरने के लिए दुबई जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या वर्ष 2022 की पहली छमाही में दोगुना से भी अधिक होकर 8.58 लाख हो गई।

दुबई के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन विभाग (डीईटी) ने मंगलवार को जारी एक बयान में यह आंकड़ा देते हुए कहा कि एक साल पहले की समान अवधि में भारत से दुबई पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या 4.09 लाख थी। जनवरी-जून, 2022 के दौरान कुल 71.2 लाख विदेशी मेहमान दुबई पहुंचे जो वर्ष 2021 की पहली छमाही की 25.2 लाख विदेशी मेहमानों की संख्या का करीब तीन गुना है। इनमें 22 प्रतिशत पर्यटक पश्चिमी यूरोप से दुबई आए।

दुबई के शहजादा और कार्यकारी परिषद के चेयरमैन शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने कहा, 'पर्यटकों की संख्या में यह बढ़ोतरी दुबई अमीरात की अर्थव्यवस्था की जुझारू क्षमता और गतिशीलता को बयां करती है। यह दुबई के सर्वाधिक पर्यटकों वाला गंतव्य बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है। आने वाले वर्षों में भी दुबई इस स्थिति को मजबूत करता रहेगा।'

मंदी की आशंका के बीच जॉब के अवसर में मामूली वृद्धि

- जुलाई में दर्ज की गई सिर्फ एक फीसद बढ़ोतरी
- बैंकिंग, वित्त व बीमा क्षेत्र में निकली हैं नौकरियां
- त्योहारी सीजन होने से रिटेल क्षेत्र में भी हैं मौके

मुंबई (भाषा)।

वैश्विक मंदी की आशंका और मुद्रास्फीतिक दबाव के बीच जुलाई में नौकरियों के अवसरों में महज एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस दौरान डिजिटलीकरण और उपभोक्ता धारणा में बदलाव होने से कई क्षेत्रों में सुधार देखा गया।

मॉन्स्टर रोजगार सूचकांक (एमईआई) की तरफ से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि जुलाई में बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (बीएफएसआई), रसायन/ प्लास्टिक/ रबर, पेंट, उर्वरक/ कीटनाशक और कार्यालय उपकरण उद्योगों में नई भर्तियों की मंशा बरकरार रही। वहीं बढ़ते डिजिटलीकरण और 5जी सेवाएं शुरू होने की उम्मीद में दूरसंचार उद्योग में भर्तियों को लेकर तेजी का रुख देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए खुदरा क्षेत्र में भी नौकरियों की स्थिति सुधरी है।

मॉन्स्टर इंडिया नौकरियों के बारे में आनलाइन डाली गई सूचनाओं के विश्लेषण के आधार पर यह मासिक रोजगार सूचकांक जारी करती है। रिपोर्ट कहती है कि भर्तियों के मामले में दूसरी श्रेणी के शहर महानगरों को पीछे छोड़ चुके हैं।

अहमदाबाद और कोयंबटूर इस मामले में अन्य शहरों से आगे रहे। पुणे में बीएफएसआई क्षेत्र की 66 प्रतिशत कंपनियों ने भर्तियां करने की मंशा जताई। इस तरह वित्त-प्रौद्योगिकी क्षेत्र के तेजी से उभरते केंद्र के रूप में पुणे ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

पिछले महीने शीर्ष प्रबंधन स्तर के पदों पर भर्ती में 18 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। मौजूदा आर्थिक अनिश्चितता के दौर में कंपनियों को आगे बढ़ाने के लिए शीर्ष प्रबंधकों की मांग बढ़ती हुई दिख रही है। मान्स्टर डाट काम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेखर गरीसा ने कहा, 'लंबी अनिश्चितता के बाद भारतीय नौकरी बाजार ने नौकरियों की मांग के संदर्भ में खुद को स्थिर कर लिया है। वैश्विक मंदी की आशंका के बीच जुलाई में माह-दर-माह आधार पर भले ही सिर्फ एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई लेकिन मौजूदा हालात में यह भी अच्छी खबर है।'

उन्होंने कहा कि उपभोक्ता खपत बढने से खुदरा एवं विनिर्माण क्षेत्रों का प्रदर्शन काफी अच्छा है। त्योहारी सीजन के मद्देनजर होने वाली भर्तियां तेज हैं और इसके आगे और बढ़ने की उम्मीद है।

चाय निर्यात सात फीसद बढ़कर 7.86 करोड़ किलो पर पहुंचा

कोलकाता (भाषा)।

भारत का चाय निर्यात चालू कैलेंडर वर्ष 2022 के पहले पांच माह में लगभग सात प्रतिशत बढ़कर 7.86 करोड़ किलोग्राम हो गया। चाय बोर्ड के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। जनवरी से मई, 2021 की अवधि में निर्यात करीब 7.32 करोड़ किलोग्राम रहा था।

पहली बार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इस साल के शुरुआती पांच महीनों के दौरान 1.31 करोड़ किलोग्राम चाय खरीदी है। वहीं रूस ने इस दौरान भारत से 1.15 करोड़ किलोग्राम चाय खरीदी है। रूस ने एक साल पहले इसी अवधि में 1.35 करोड़ किलोग्राम चाय आयात किया था।

राष्ट्रमंडलः कमल व निकहत रहे भारत के ध्वजवाहक

आधिकारिक रूप से राष्ट्रमंडल खेल का झंडा अगले मेजबान को सौंपा गया

बर्मिंघम । राष्ट्रमंडल खेल 2022 का भव्य समापन समारोह अलेक्जेंडर स्टेडियम बर्मिंघम में हुआ। समापन समारोह के दौरान टीम इंडिया के ध्वजवाहक अचंता शरत कमल और निकहत जरीन ने टीम का नेतृत्व किया। शरत ने बर्मिंघम में टेबल टेनिस में चार पदक जीते। इनमें तीन स्वर्ण पदक शामिल है। वहीं निकहत ने बॉक्सिंग में स्वर्ण जीता। ओपनिंग समारोह में भारत के ध्वजवाहक बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह थे। परंपरा के अनुसार राष्ट्रमंडल खेल महासंघ का ध्वज उतार कर ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य को सौंपा गया जो 2026 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा।

प्रिंस एडवर्ड ने बर्मिंघम 2022 खेलों के समापन की घोषणा की और 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य को औपचारिक निमंत्रण सौंपा। उन्होंने कहा, आपने हमें प्रेरित किया और संभवतः आने वाली पीढ़ियों को भी। आपने दिखाया कि क्या चीज हमें एकजुट कर सकती है। हमारी संरक्षक महारानी की तरफ से मैं बर्मिंघम 2022 खेलों के समापन की घोषणा करता हूं। खेलों के समापन की घोषणा के साथ ही बर्मिंघम का आकाश आतिशबाजी से नहा गया। समापन समारोह का आकर्षण भांगड़ा और भारतीय मूल के गायक स्टीवन कपूर रहे जो अपाचे इंडियन के नाम से मशहूर हैं। उनके दिलकश प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह दिया। अपाचे इंडियन के प्रदर्शन के बाद मॉडल नीलम गिल ने अपनी प्रस्तुति दी। इस बीच खचाखच भरे स्टेडियम में संगीत समूह पंजाबी एमसी मुंडिया तू बच के गीत बजा रहा था। संगीत के दिग्गज गोल्डी और बेवर्ली नाइट ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित किया। ट्रांसजेंडर ब्रिटिश मॉडल तलुलाह ईव ने नए रोमांटिक युग और बर्मिंघम समलैंगिक संस्कृति के बारे में बताया। संगीत कार्यक्रम के बाद राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन और बर्मिंघम 2022 के सीईओ मार्टिन ग्रीन ने विदाई भाषण दिए। मार्टिन ने कहा, च्सपमापन समारोह बेजोड़ राष्ट्रमंडल खेलों का उत्कृष्ट जश्न रहा जिसमें बर्मिंघम के सर्वश्रेष्ठ को प्रदर्शित किया गया। हम 11 दिन तक चले राष्ट्रमंडल खेलों के अभूतपूर्व आयोजन का गवाह रहे और समापन समारोह इस विशेष प्रतियोगिता का शानदार अंत रहा। प्रिंस एडवर्ड ने आधिकारिक रूप से राष्ट्रंडल खेल के समापन की घोषणा की। अब तक का सबसे बड़ा राष्ट्रमंडल खेल बर्मिंघम में हुआ। 11 दिनों तक चले खेल के इस महासमर 72 देशों के 5 हजार से ज्यादा एथलीट ने हिस्सा लिया। 28 जुलाई से 8 अगस्त तक चलने वाले 16 अलग-अलग खेलों में भारत के लगभग 200 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। ओपनिंग की तरह क्लोजिंग में भी बर्मिंघम के इतिहास के अलग-अलग पहलुओं का दिखाया गया।

पहलवान बजरंग , साक्षी और दीपक का भव्य स्वागत

भारतीय पहवान बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और दीपक पूनिया भी जब मेडल के साथ भारत लौटे तो उनका दिल्ली एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत हुआ। एयरपोर्ट पर मौजूद खिलाड़ियों के रिश्तेदारों और उनके फैन्स ने अपने चहेतों को कंधे पर उठा लिया। दिल्ली एयरपोर्ट पर बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और दीपक पूनिया के स्वागत की दिल छूने वाली तस्वीरें सामने आई हैं।

जीत के बाद लौटे भारतीय मुक्केबाजों का गर्मजोशी से अभिनंदन

भारतीय मुक्केबाज अमित पंघाल, रोहित टोकस, जैस्मीन लैंबोरिया और सागर एक सफल अभियान के बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर उनके परिवार और समर्थकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। हवाई अड्डे पर ढोल और जयकारों की आवाज गूंज रही थी क्योंकि प्रशंसकों और परिवार ने पदक विजेता एथलीटों का स्वागत करने पहुचे थे, उन्हें माला पहनाई और मिठाई बांटे। पंघाल ने कहा, मैं वास्तव में खुश हूं। इतने दिनों के बाद, मैंने एक पदक जीता है, मैं इस खुशी को बरकरार रखना चाहता हूं । और भविष्य में अपने देश का नाम और सम्मान बढ़ाता रहूंगा। जैस्मिन लैंबोरिया ने भी एयरपोर्ट पर मिले स्वागत पर खुशी जाहिर की और अपना मेडल अपने कोच को समर्पित किया।

टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में लौटीं जेमिमाह

मंधाना चौथे और शेफाली छठे पायदान पर कायम

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा खिलाड़ी जेमिमाह रॉड्रिगेज ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग के शीर्ष 10 बल्लेबाजों में जगह बना ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार रॉड्रिगेज सात पायदान ऊपर उठकर 630 पॉइंट के साथ 10वें स्थान पर आ गयी हैं। उन्होंने बर्मिंघम 2022 में भारत के लिए 146 रन बनाए, जिसकी बदौलत वह अक्टूबर 2021 के बाद पहली बार शीर्ष 10 में जगह बना पाई हैं। स्मृति मंधाना (चौथा पायदान) और शेफाली वर्मा (छठा पायदान) पहले से ही टी20 बल्लेबाजों के शीर्ष 10 में कायम हैं। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी अपनी हमवतन मेग लेनिंग को पछाड़कर पहले पायदान पर आ गयी हैं। मूनी ने राष्ट्रमंडल खेल के फाइनल में भारत के खिलाफ 41 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 70 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ 36 रन का योगदान भी दिया था, जिसने उन्हें 743 रेटिंग के साथ पहले पायदान पर पहुंचा दिया है।

हम बेंच स्ट्रेंथ तैयार करना चाहते हैं: रोहित शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरे साल भर क्रिकेट मैचों के आयोजन को देखते हुए मजबूत बेंच स्ट्रेंथ बनाना जरूरी है। पिछले टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद भारत अपनी टीम में खिलाड़ियों के साथ लगातार प्रयोग कर रहा है, जिसमें चोट और कार्यभार प्रबंधन की भी भूमिका रही है। रोहित ने कहा, हम बहुत क्रिकेट खेलते हैं, इसलिए चोट और कार्यभार प्रबंधन जरूरी है। ऐसे हमें खिलाड़ियों को रोटेन्ट करना होगा। उन्होंने कहा, इससे (रोटेट करने से) हालांकि हमारी बेंच स्ट्रेंथ को मैदान में उतर कर खेलने का मौका मिलता है। इसलिए हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतने सारे खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं। भारतीय कप्तान ने कहा,हम अपनी बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भारत का भविष्य सुरक्षित हाथों में हो। यही वह योजना है जिसकी हम कोशिश कर रहे हैं। रोहित ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप से पहले इस महीने शुरू होने वाले एशिया कप में टीम की अगुवाई करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम के तौर पर हर दिन बेहतर होना उनका उद्देश्य है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि आगे के लिए क्या उम्मीद करूं लेकिन यह टीम के तौर पर हर दिन बेहतर होने के बारे में है। कोच राहुल द्रविड़ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जब वह टीम के कोच बने तब हमने एक साथ बैठ कर टीम को आगे ले जाने योजना के बारे में चर्चा की थी।

मनीषा व सुनील छेत्री बने फुटबॉलर ऑफ द ईयर

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मनीषा कल्याण को साल 2021-22 का महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना है, जबकि पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर का खिताब सुनील छेत्री को मिला है। दोनों दिग्गजों को उनके संबंधित राष्ट्रीय टीम के कोच थॉमस डेनर्बी और इगोर स्टिमैक द्वारा विजेताओं के रूप में नामित किया गया था। मनीषा ने पिछले सत्र में उभरती हुई महिला फुटबॉलर (वुमेन्स एमर्जिंग फुटबॉलर ऑफ द ईयर) का पुरस्कार जीता था जबकि सुनील को सातवीं बार फुटबॉलर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

महिला राष्ट्रीय टीम के कोच थॉमस डेनर्बी ने कहा, मनीषा ने राष्ट्रीय टीम और अपने क्लब के लिए कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उसने गोल किए हैं, और नियमित रूप से असिस्ट भी किए हैं। उत्कृष्ट गति और एक अच्छी ड्रिब्लर होने के कारण वह भविष्य में बड़ी लीगों में खेलने की क्षमता रखती है। वह युवा है और अभी भी तैयार हो रही है लेकिन नियमित आधार पर हमारी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही है। सुनील के बारे में बोलते हुए, पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, सुनील सैफ कप में पांच गोल करके हमारे सर्वोच्च गोल करने वाले खिलाड़ी और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी थे। उन्होंने कहा, उनकी प्रतिबद्धता, नेतृत्व, अनुशासन और कड़ी मेहनत बुरे और अच्छे समय में प्रभावशाली थी इसके अलावा मार्टिना थॉकचोम को उभरती हुई महिला खिलाड़ी और विक्रम प्रताप सिंह को 2021-22 का उभरता हुआ पुरुष खिलाड़ी चुना गया है।

विराट कोहली ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के सभी एथलीट्स को बधाई दी

नई दिल्ली। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में वापसी करने वाले पूर्व कप्तान विराट कोहली ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पदक विजेताओं और प्रतिभागियों को मंगलवार को बधाई दी। कोहली ने स्वदेशी सोशल मीडिया मंच कू ऐप पर अपने अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें सभी भारतीय एथलीट्स को पदक जीतने की खुशी में अपनी जीत का जश्न मनाते देखा जा सकता है। कोहली ने कू ऐप पर लिखा, आप हमारे देश के लिए बड़ी ख्याति लेकर आए हैं। हमारे सभी विजेताओं और कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के सभी प्रतिभागियों को बधाई। हमें आप पर बहुत गर्व है। जय हिंद। यह गर्व की बात है कि भारत ने इस बार 61 पदक जीते। भले ही भारत गोल्ड कोस्ट खेलों से अपने पदकों की संख्या को पार नहीं कर सका, लेकिन इसके बावजूद इस संस्करण में निशानेबाजी को शामिल नहीं करने पर विचार करते हुए, यह खेलों के इस संस्करण में भारतीय दल द्वारा एक उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है।

रॉयल लंदन कप में उमेश यादव ने झटके पांच विकेट

लंदन। तेज गेंदबाज उमेश यादव ने भारतीय टीम के लिए जनवरी में आखिरी मुकाबला खेला था। इंग्लैंड काउंटी टीम मिडलसेक्स ने इस सीजन के लिए उनके साथ करार कर लिया था। अभी उमेश रॉयल लंदन कप में हिस्सा ले रहे हैं और अपनी गेंद से तबाही मचा रहे हैं। रॉयल लंदन कप के ग्रुप ए के मुकाबले में मिडलसेक्स की भिड़ंत डरहम से थी। इस मैच की दूसरी ही गेंद पर उमेश यादव ने डरहम के सलामी बल्लेबाज ग्राहम क्लार्क को खाता खोले बिना बोल्ड कर लिया। अपने दूसरे ओवर में उन्होंने कप्तान स्कॉट बोर्थविक (1) को भी चलता कर दिया। उमेश यहीं नहीं रुके। उन्होंने इसके बाद तीन और विकेट झटके और बल्लेबाजी के लिए आसान पिच पर डरहम की पारी 268 रनों पर सिमट गई। 9.2 ओवर में उमेश यादव ने 33 रन देकर 5 बल्लेबाजों को चलता किया। इसमें तीन विकेट बोल्ड से थे। लिस्ट ए क्रिकेट यानी 50 ओवर की क्रिकेट में उमेश यादव ने दूसरी बार 5 विकेट लिया है।

दिसंबर में खेली जाएगी लंका प्रीमियर लीग

कोलंबो। पिछले महीने देश में व्याप्त आर्थिक संकट के कारण स्थगित किया गया लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का तीसरा सीजन इस साल दिसंबर में खेला जाएगा। एलपीएल टूर्नामेंट के आयोजक सामंथा डोडनवेला ने मीडिया से कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि एलपीएल 6 से 23 दिसंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। एलपीएल के आधिकारिक प्रमोटर आईपीजी ने भी ट्विटर पर इस खबर की पुष्टि की। देश की स्थिति के कारण श्रीलंका क्रिकेट ने जुलाई में टूर्नामेंट को स्थगित करने का निर्णय लिया था।

यूरोपीय दौरा ऊंच-नीच भरा रहा, पर इससे बहुत कुछ सीखा : सविता

नई दिल्ली। यूरोपीय दौरे पर दो महीने बिताने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों से ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा कि यह दौरा ऊंच-नीच भरा रहा और इससे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। गौरतलब है कि सविता पूनिया की टीम ने जून में बेल्जियम और नीदरलैंड में एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों से अपने यूरोपीय दौरे की शुरुआत की थी। कप्तान सविता ने कहा, यह काफी लंबा दौरा था, इसमें उतार-चढ़ाव थे लेकिन इसने हमें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा, उसके बाद हम नॉटिंघम में एक छोटे तैयारी शिविर में शामिल हुए थे, जहां हमने अपने प्रदर्शन का आत्मनिरीक्षण किया और अपनी गलतियों पर काम किया। हम ताजा विचारों के साथ आए और बर्मिंघम में एक समय में एक मैच पर ध्यान दिया। मुझे लगता है कि टीम की एकता ने भी हमें वापस लाने में मदद की। हमारे द्वारा साझा किए गए बंधन ने हमें टीम में सकारात्मक माहौल बनाए रखने में मदद की। इसने हमें वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करने और हमारे सामने आने वाली चुनौतियों से उबरने में मदद की। कांस्य पदक जीतने के बारे में गोलकीपर सविता ने कहा, हमने जो हासिल किया है उस पर हमें खुशी और गर्व है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने इसे कैसे हासिल किया है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार को स्वीकार करना मुश्किल था। हमने अपना मनोबल हारा था, लेकिन यह हमारी कोच जेनेके शोपमैन थीं जिन्होंने हमें प्रेरित किया और हमें एहसास दिलाया कि हमारे पास अभी भी एक पदक के साथ घर लौटने का अवसर है। इसलिए, पदक का सारा श्रेय उन्हें जाता है। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमने एक टीम के रूप में अंतिम क्षण तक कभी हार नहीं मानी।

सेरेना विलियम्स ने दिया संन्यास का संकेत

कहा, अब उलटी गिनती शुरू हो गई

वाशिंगटन। अमेरिका की शीर्ष लॉन टेनिस खिलाड़ी और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को अपने संन्यास का संकेत देते हुए कहा कि उलटी गिनती शुरू हो गई है।

विलियम्स ने इंस्टाग्राम पर कहा, जिंदगी में एक ऐसा समय आता है जब हमें एक अलग दिशा में बढ़ने का फैसला करना होता है। वह समय हमेशा कठिन होता है जब आप किसी चीज से इतना प्यार करते हैं। मत पूछिये मैं टेनिस का कितना आनंद लेती हूं, लेकिन अब उल्टी गिनती शुरू हो गई है। मुझे एक मां होने पर, अपने आध्यात्मिक लक्ष्यों पर और अंत में एक अलग, लेकिन सिर्फ रोमांचक सेरेना की खोज पर ध्यान केंद्रित करना है। मैं इन अगले कुछ हफ्तों का आनंद लेने वाली हूं। अमेरिकी दिग्गज ने जून में विंबलडन में अपनी एकल वापसी करने से पहले चोट के कारण लंबे समय तक टेनिस नहीं खेला था, जिसके बाद उनके संन्यास के बारे में अटकलें लगाई गयीं। वह कहती हैं कि वह इस महीने के अंत में यूएस ओपन में खेलेंगी, जहां उन्होंने अपने छह प्रमुख एकल खिताब जीते हैं। विलियम्स ने अपना आखिरी ग्रैंड स्लैम खिताब 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीता था जब वह बेटी ओलंपिया के साथ आठ सप्ताह की गर्भवती थीं। विलियम्स ने सोमवार को 14 महीनों में अपनी पहली एकल जीत दर्ज करते हुए टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन में स्पेन की नुरिया पारिजास डियाज को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वह ओपन युग में सर्वाधिक खिताब जीतने वाली महिला खिलाड़ी हैं। अगले महीने 41 साल की होने वाली विलियम्स ने 73 करियर एकल खिताब और 23 करियर युगल खिताब हैं।

इंग्लैंड की कोच लीजा कीटली ने की पद छोड़ने की घोषणा

लंदन। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की हेड कोच लीजा कीटली ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मंगलवार को कहा कि वह इस सत्र के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगी और कॉन्ट्रैक्ट का विस्तार नहीं करेंगी। इंग्लैंड अब दक्षिण अफ्रीका में 2023 टी20 विश्व कप से छह महीने पहले नए कोच की भर्ती शुरू करेगा। इंग्लिश टीम के साथ कीटली का आखिरी अभियान भारत के खिलाफ 10 सितंबर से शुरू होने वाली सीमित ओवर की घरेलू श्रृंखला होगी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कीटली ने 2019 के अंत में हीथर नाइट की अगुवाई वाली टीम की कमान संभाली, और इंग्लैंड को 2022 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल के साथ-साथ 2020 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचाया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इंग्लैंड कांस्य पदक मैच में न्यूजीलैंड से हार गयी। इंग्लैंड महिला क्रिकेट के निदेशक जोनथन फिंच ने कहा, हम पिछले ढाई वर्षों में लीजा की प्रतिबद्धता और जुनून के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हैं। हमने पिछले 12 महीनों में स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा में वृद्धि देखी है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में स्लो ओवर रेट के लिए बांग्लादेश पर लगा जुर्माना

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश पर जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में दूसरे वनडे मैच में धीमी ओवर गति (स्लो ओवर रेट) को बनाए रखने के लिए मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया। मैच रेफरी के आईसीसी एलीट पैनल के एंडी पाइक्रॉफ्ट ने रविवार को दूसरे वनडे मैच में तमीम इकबाल की ओर से निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके जाने का फैसला सुनाया। जिम्बाब्वे ने दूसरे वनडे में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया था और सिकंदर रजा के तीन विकेट लेने के साथ नाबाद 117 रनों की पारी खेली थी, जिससे जिम्बाब्वे को तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने में मदद मिली। आईसीसी ने एक बयान में कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ी समर्थन कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट के मामले से संबंधित है। खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। अगर उनकी टीम निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहती है।

सड़क दुर्घटना में पूर्व अंपायर रूडी कर्ट्जन का निधन

केप टाउन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आईसीसी एलीट पैनल अंपायर रूडी कर्ट्जन का केप टाउन में एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जब यह सड़क दुर्घटना हुई तब 73 वर्षीय कर्ट्जन एक कार में केपटाउन से ईस्टर्न केप प्रांत में अपने घर जा रहे थे।

कर्ट्जन ने 2010 में सन्यास लेने से पहले 331 मैचों में अंपायर की भूमिका निभाई, जो उस समय एक रिकॉर्ड था। वह 100 से ज्यादा मैचों में अंपायरिंग करने वाले तीन अंपायरों में से एक हैं। इनके अलावा पाकिस्तान के अलीम दार और वेस्टइंडीज के स्टीव बकनर भी ऐसा कर चुके हैं। दार ने कर्टजन की मौत के बारे में कहा, यह उनके परिवार, दक्षिण अफ्रीका और क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी क्षति है। मैं उनके साथ इतने सारे मैचों में खड़ा था। वह न केवल एक अंपायर के रूप में बहुत अच्छे थे, बल्कि एक उत्कृष्ट सहयोगी भी थे। हमेशा मैदान पर बहुत सहयोगी और हमेशा मैदान के बाहर मदद करने के लिए तैयार रहते थे। अपने किरदार की वजह से वह खिलाड़ियों के बीच भी सम्मानित थे। वीरेन्द्र सहवाग ने कोएर्टजन के निधन पर ट्वीट कर उनके परिवार के प्रति संवेदना जताई है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उनके कोएर्टजन के साथ बहुत अच्छे संबंध थे। जब भी सहवाग तेज शॉट खेलते थे तो डांटते हुए उनसे कहते थे कि संभलकर खेलो, मैं तुम्हारी बल्लबाजी देखना चाहता हूं। सहवाग ने आगे लिखा कि वह बहुत ही सज्जन और शानदार इंसान थे। रूडी आपकी याद आएगी।

लड़ें वो वीर जवानों की तरह, ठंडा खून फौलाद हुआ मरते-मरते भी मार गिराए, तभी तो देश आजाद हुआ

प्रखर दानगंज वाराणसी। काशी का एकमात्र शहीद स्मारक चोलापुर थाने के पास स्थित है, जहां 17 अगस्त 1942 को क्रांति हुई थी. आजादी के दीवानों ने थाना गेट तोड़कर ब्रिटिश का झंडा जला दिया था। उस संघर्ष में पांच स्वतंत्रता सेनानी शहीद हो गये थे। जबकि सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था।बात 17 अगस्त 1942 की है. महात्मा गांधी की अगुआई में 8 अगस्त 1942 से शुरू किया गया 'भारत छोड़ो आंदोलन' परवान चढ़ने लगा था।उस दिन चोलापुर क्षेत्र के आयर गांव में नागपंचमी पर दंगल हो रहा था. क्षेत्र के पहलवान जोर आजमाइश कर रहे थे. इसी बीच स्वतंत्रता सेनानी वीर बहादुर सिंह हाथ में तिरंगा लेकर सीटी बजाते हुए वहां पहुंचे। वीर बहादुर सिंह ने दंगल में मौजूद जनता को ललकारा और कहा कि 'हे शूरवीरों जंजीरों से जकड़ी धरती मां को छुड़ाने का प्रयास करो. जिस मिट्टी में जोर आजमाइश कर रहे हो, वह धरती मां परतंत्रता की जंजीरों से जकड़ी हुई हैं। पहले उन्हें छुड़ाओ बाद में इस मिट्टी का तिलक लगाओ'.वीर बहादुर सिंह की इस ललकार पर रामनरेश उपाध्याय उर्फ विद्यार्थी, पंचम, श्रीराम उर्फ बच्चू, चौथी एवं निरहू के साथ दर्जनों लोग

चोलापुर थाने पर तिरंगा फहराने के लिए चल पड़े। रास्ते में पड़ने वाले भठौली, आयर, शिवरामपुर, सुलेमापुर, गोसाइपुर, राम गांव आदि गांव से हजारों लोग इनके साथ हो लिए. चोलापुर थाने पहुंचकर वीर बहादुर सिंह ने झंडा फहराने का प्रयास किया तो दारोगा रामचंद्र सिंह ने विरोध किया।अंग्रेजों ने चलवायी थी गोलियां रामनरेश उर्फ विद्यार्थी की शादी के बाद हाल ही में उनका गवना आया था, लेकिन भारत माता के लिए बलिदान के जुनून में वह दारोगा रामचंद्र सिंह से भिड़ गए।उन्हें उठाकर पटक दिया और छाती पर पैर रखकर खड़े हो गए।यह देख रामचंद्र के भतीजे ने रिवाल्वर से आयर निवासी रामनरेश को कनपटी पर गोली मार दी।वह मौके पर ही शहीद हो गए।फिर उच्चाधिकारियों ने भीड़ पर फायरिंग का आदेश दे दिया। इस फायरिंग में कक्षा सात के विद्यार्थी आयर बेनीपुर के पंचम, शिवरामपुर के श्रीराम उर्फ बच्चू और चौथी एवं सुलेमान पुर के निरहू राजभर भी मौके पर ही शहीद हो गए।यहां वीर बहादुर सिंह भी घायल हो गये. घायलावस्था में उनके साथ अगुआई कर रहे सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। 1947 में आजादी के बाद सभी को रिहा किया गया। 25 जुलाई सन 1987 में वीर बहादुर सिंह स्वर्गवासी हो गए. घटना के 25 वर्ष बाद 17 अगस्त 1972 को पं. कमलापति त्रिपाठी ने यहां शहीद स्मारक का निर्माण कराया. तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा ने 12 जनवरी 1975 को इसका उद्घाटन किया।वीर बहादुर सिंह ने मृत्यु से 10 वर्ष पूर्व संन्यास ले लिया. दीक्षा स्वरूप उन्हें बाबा बेअंत दर्शनानंद जी महाराज नाम मिला. इनकी मृत्यु के पश्चात संयासी बाबा बेअंत दर्शनानंद जी महाराज भारतीय धर्मशास्त्र के अनुसार आयर बाजार में उनको समाधि दी गई। जबसे उनकी मृत्यु हुई तब से जनपद का एकमात्र शहीद स्थल उपेक्षा का शिकार हो गया।कांग्रेस जनों ने किया नमन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी 2021 को दर्जनों की संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता व जिला कांग्रेस महासचिव व जिला पंचायत सदस्य दिलीप चौबे के द्वारा शहीदों को नमन करते हुए माल्यार्पण किया गया था।

आजादी के पच्चहतरवें अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को धूमधाम से मनाया

प्रखर गोरखपुर । आज इण्डिया ग्लाइकॉल लिमिटेड के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के मार्गदर्शन में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन हुआ और इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप जिला मजिस्ट्रेट सहजनवा श्री सुरेश राय व विशिष्ट अतिथि सहायक अबकारी आयुक्त श्री एस के सिंह थे,एव कार्यक्रम की अध्यक्षता प्लांट मैनेजर एपी मिश्रा ने किया। प्रबंधक प्रशासन एवं जनसम्पर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा एव वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आत्मा नन्द सिंह के साथ बिजनेस हेड के निर्देश पर आईजीएल के तीन सौ श्रम योद्धाओं को तिरंगा भेंट किया और आग्रह किया और कहा हर गांव हर गली हर घर मे इसे आज से सत्रह अगस्त तक फहराये।बड़े तिरंगे को लेकर जहां एसडीएम सहजनवा के साथ सहायक अबकारी आयुक्त ,यूनिट हेड के साथ प्रबंधक प्रशासन डा सुनील कुमार मिश्रा ,संजय मिश्रा, रामेश्वर सिंह , शैलेन्द्र सिह ने श्रम योद्धाओं का नेतृत्व किया। तत्पश्चात सभी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि एसडीएम साहब ने पीएम व सीएम योगी के नेतृत्व को समुचे राष्ट्र के साथ जन जन मे अलख जगाने वाला व स्वतंत्रता संग्राम के शुर वीरों महान योद्धाओं के बलिदानों व सहादत के बाद् हमे प्राप्त हुआ। इसे हमे पूरे सम्मान व आदर सहित अपने अपने घरों मे फहरा कर आजादी का 76 वा अमृत महोत्सव पूर्ण उत्साह व जिम्मेदारी के साथ मानते हुए भारतीय नागरिक होने की भूमिका निभाएं। मुख्य अतिथि ने बिजनेस हेड एस के शुक्ल के इस प्रयास को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत अभिन्दनीय बताते हुए धन्यवाद दिया।विशिष्ट अतिथि सहायक अबकारी आयुक्त ने सबको राष्ट्र के प्रति नैसर्गिक दायित्व का एहसास कराते हुए इस आयोजन को उत्स० की तरह करने के प्रयास को शानदार बताते हुए अद्भुत बताया।यूनिट हेड ने एपी मिश्रा जी ने हर घर तिरंगा अभियान को आजादी के पच्चहतरवें महोत्सव को स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के प्रति आदर व राष्ट्रभक्ति का अनूठा अद्भुत महोत्सव की संज्ञा देते हुए देश व प्रदेश के नेतृत्व को राष्ट्रवाद का अलख जगाने वाला शानदार महोत्सव की संज्ञा देते हुए आयोजन के प्रति प्लॉन्ट की प्रतिबद्धता बताया।प्रबंधक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधायक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने निकाली तिरंगा यात्रा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। आजादी के 75वें वर्षगाँठ के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत पिण्डरा विधायक डॉ0 अवधेश सिंह के नेतृत्व में पिण्डरा मण्डल युवा मोर्चा द्वारा तिरंगा यात्रा नर्मदेश्वर महादेव मंदिर नेवादा से मंगारी तक निकाली गई। यह यात्रा गांवों, बाजारों, कस्बो से भारत माता की

जय, वंदे-मातरम नारों के साथ होकर गुजरी। इस अवसर पर विधायक पिण्डरा ने कहा कि देश को आजादी दिलाने में युवाओं के योगदान को भुलाया नही जा सकता। कम उम्र में आजादी के लिए क्रांतिकारी हँसते हँसते फाँसी के फंदों पर झूल गए। इस दौरान जिलाउपाध्यक्ष पवन सिंह, मण्डल अध्यक्ष मनीष पाठक, अजय पटेल, अरबिंद मिश्रा, गौरव सिंह रोलु, किशन सिंह, दिनेश सिंह व अतुल रावत बेलवाँ रहे। वही दूसरी तरफ भाजपा कार्यकताओं द्वारा सिंधोरा मंडल मे तिरंगा यात्रा का शुभारंभ पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेन्द्र सिंह ने किया।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रृद्धालुओं के लिए शुरू किया मेगा वाटर प्योरिफायर बूथ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारत के अग्रणी कंज्यूमर ड्यूरेबल ब्रांड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने श्रावणमास मेला के अवसर पर श्रृद्धालुओं को शुद्ध पेयजल प्रदान करने के लिए 1 अगस्त 2022 से काशी विश्वनाथ मंदिर में एक मेगा वाटर प्योरिफायर एक्टिवेशन शुरू किया है। मंदिर में एक मेगा एक्टिवेशन वाटर प्योरिफायर बूथ में स्थापित आठ वाटर प्योरिफायर के साथ एलजी 4 लाख से ज्यादा श्रृद्धालुओं को सेवाएं दे चुका है वाटर प्योरिफायर एक्टिवेशन 1 अगस्त से 10 अगस्त तक चल रहा है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स को यहां पर 15 लाख लोगों के आने की उम्मीद है। एलजी का उद्देश्य इस मेले में श्रृद्धालुओं को शुद्ध पेयजल प्रदान करना है। समाज को अपना योगदान देने और सार्थक सीएसआर विधियों में यकीन के साथ एलजी श्रृद्धालुओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना चाहता है वाटर प्योरिफायर

एक्टिवेशन कैंप के बारे में संजय चितकारा, सेल्स हेड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने कहा एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स को इस अभियान की घोषणा करने पर गर्व है क्योंकि सभी के लिए शुद्ध जल की व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है ` शुद्ध जल हर मौसम में, खासकर गर्मियों में हम सभी के लिए जरूरी है। हम अपने संसाधनों की मदद से मेला में ज्यादा से ज्यादा श्रृद्धालुओं को शुद्ध जल प्रदान करने के लिए आशान्वित हैं एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत के साथ आगे बढ़ने में यकीन रखता है और हमारे देश के विकास की नींव को मजबूत करना चाहता है इसके लिए एलजी ने अनेक उपाय किए हैं` उपरोक्त प्रयास बेहतर एवं जिम्मेदार मानवीय राहत प्रयासों के प्रतिबिंबित करता है और समाज के साथ एक मजबूत रिश्ता कायम करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने हाल ही में भूख के खिलाफ भारत की लड़ाई में योगदान देने के लिए अक्षय पत्र फाउंडेशन के साथ सहयोग किया है और उत्तर प्रदेश में 5000 विद्यार्थियों के लिए मध्यान्ह भोजन का योगदान दिया है।

या अली या हुसैन की सदाओं के साथ जिले भर में निकले ताजिया जुलूस

प्रखर चन्दौली। जिलेभर में मोहर्रम अकीदत के साथ मनाया गया। । हिन्दू तथा मुस्लिम समाज के लोगों ने ताजिए के नीचे से निकल कर खुशहाली की मन्नत मांगी।जुलूस में दोनों समुदायों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और देश की गंगा जमुनी तहजीब जिंदा रही। वही अलीनगर थाना क्षेत्र के लौंदा गांव में मंगलवार को अंजुमन जौवादियां की ओर से मुहर्रम मनाया गया। मुहर्रम कर्बला के 72 शहीदों की याद में किया जाता है। ये कोई पर्व नहीं, बल्कि एक इंसानियत के लिए संदेश है। जो इमाम हुसैन ने कर्बला में आतंक फैलाये हुए यजीद के खिलाफ जंग की थी और अपने बहत्तर साथियों के साथ शहीद हो गये। गांव में मुहर्रम का जुलूस सोमवार शाम सगीर दादा के दरवाजे से ताजिया व अलम के साथ उठाया गया। जिसमें अजादार इमाम हुसैन की शहादत के गम में नौहाखानी व मात कर माहोल को गमगीन कर दिया।नेजामत कर रहे हाजी नुरूल हक ने कहा कि पैगंबरे इस्लाम के

नाती इमाम हुसैन ने अपनी जान देकर इस्लाम को बचाया। यह कयामत तक कायम रहेगी। उस समय के शासक यजीद ने इमाम हुसैन के परिवार सहित 72 साथियों को शहीद कर दिया था। अंत मे इमाम हुसैन का भी सिर धड़ से अलग कर दिया, फिर भी वह हार गया। इमाम हुसैन की इसी अजीम कुबार्नी पर शाबये बयाज परवेज अहमद लाडले ने कहा है कि इस्लाम जिंदा होता है हर कर्बला के बाद।वहीं मंगलवार को दोपहर बाद परवेज अहमद 'लाडले', अशरद जमाल पप्लू, आसिफ इकबाल, हाजी कशीमुद्दीन, तमशीर मिल्की 'सिब्बल' मो आकिब, मुख्तार अप्पू, फैज कैशपी आदि ने जब नौहा को पढ़ा तो वहां पर सैकड़ों की तायदात में खड़े जायरीन रो पड़े। जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर शरबत और ठण्डे पानी की व्यवस्था की गई।मुहर्रम ताजिया का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने राहत की सांस ली। इस मौके पर संरक्षक खुर्शीद प्रधान, कमेटी अध्यक्ष आसिफ इकबाल, उपाध्यक्ष अशरफ जमाल राजू, कोषाध्यक्ष तुफैल राजू, एखलाक अहमद लख्खू, नन्हे नेता, अफरोज छोटे, अधिवक्ता फिरोज अहमद, पप्?लू प्रधान, एमडी इंसाफ, फरहान अहमद पत्रकार, सद्दाम हुसैन, वसीम मिल्की, तारिक अली, फैजान साबरी, हारीस, मामून, मोजीब मिल्की बाबू आदि लोग रहे।

बुजुर्ग की हत्या के मामले में पुलिस ने दर्ज किया हत्या का मुकदमा

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम अखुआपार निवासी बुजुर्ग रामभजन का मंगलवार की रात दबंगों द्वारा पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने गांव के दर्जनों लोगों के विरुद्ध बलवा समेत हत्या के धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है, जिसमें सात लोग नामजद हैं । शेष आरोपियों की तलाश जारी है। नामजद लोगों में- राजू सिंह,सलहन्त सिंह,अनीष,धीरेन्द्र,प्रदीप सिंह,अंकित,अभय प्रताप सिंह शामिल हैं । इनके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा-147,323,504,506 एवं 302 के तहत मुकदमा दर्ज है। मिली जानकारी के अनुसार-लोगों ने पुरानी रंजिश को लेकर बुजुर्ग रामभजन और उसकी पत्नी अनीता देवी को बीते मंगलवार की रात दस बजे के करीब गांव में घेर कर लाठी-डण्डे से पीट कर घायल कर दिया था। इलाज के लिए सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवा में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग रामभजन की मौत हो गई।

विमल पांडेय, पल्लवी गिरी, रवि चोपड़ा की भोजपुरी फिल्म 'गंगाराज - (एक प्रेम कथा)' का भव्य मुहूर्त संपन्न

प्रखर दानगंज वाराणसी। भोजपुरी सिनेमा में बड़े कैनवास पर बनाई जा रही भोजपुरी फिल्म 'गंगाराज - (एक प्रेम कथा)' का भव्य मुहूर्त करके उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शूटिंग शुरू कर दी गई है। सावन का पावन माह में जहाँ पूरा महीना शिव शम्भू मय होता है, वहीं

चारों ओर हरियाली मन भावन लगती है। भागीरथी प्रयास से ब्रम्हा जी के कमंडल से निकली गंगा शिव की जटा से होकर निरंतर जन मानस का कल्याण कर रही हैं पतित पावनी माँ गंगा। आजकल हर हर महादेव और हर हर गंगे की गूंज चहुँओर सुनाई देती है। ऐसे में सावन के अंतिम सोमवार को विधिवत पूजा अर्चना करके भोजपुरिया सिनेप्रेमियों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए बहुत ही यूनिक भोजपुरी फिल्म 'गंगाराज - (एक प्रेम कथा)' की शूटिंग की जा रही है।आर बी चोपड़ा प्रोडक्शंस बैनर के तले निर्मित की जा रही इस फिल्म की निर्मात्री नीलम चोपड़ा हैं, जिनका उद्देश्य है भोजपुरी फिल्म देखने वाले सभी वर्ग के दर्शक एक साथ फिल्म देखने का आनंद ले सकें और फिल्म के किसी भी दृश्य को देखने में किसी को जरा भी संकोच ना हो। फिल्म की कहानी रवि चोपड़ा ने लिखी है, जो बहुत ही बेहतरीन मझे हुए वरिष्ठ अभिनेता हैं। इस फिल्म में वे चॉकलेटी हीरो विमल पांडेय के पिताजी का किरदार निभा रहे हैं। केन्द्रीय भूमिका में विमल पांडेय हैं और उनकी नायिका क्यूट अदाकारा पल्लवी गिरी हैं। उनकी केमेस्ट्री ऑडियंस के लिए फुल इंटरटेनिंग होगी। फिल्म के लेखक व निर्देशक अखिलेश पांडेय हैं। सबसे खास बात यह है कि इस फिल्म के सभी गीतों को लेखक व निर्देशक अखिलेश पांडेय ने ही लिखे हैं और उन सभी गीतों को मधुर संगीत से सजाया है संगीतकार विराज ने। छायांकन विकास पांडेय कर रहे हैं।

सूबे की सबसे उंची एवं कलात्मक ताजिया देखने उमड़े लोग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के उतरांव गांव में मंगलवार को ताजिया जुलूस निकाला गया। विभिन्न मार्गों पर भ्रमण कर करबला पहुंचा, जहां दफन किया गया। इस दौरान युवाओं ने एक से बढ़कर एक करतब का प्रदर्शन किया। गंगा जमुनी तहजीब की शानदार मिसाल पूर्वांचल में सबसे ऊंची ताजिया का निर्माण व जूलुस के लिए जाना जाने वाला गाजीपुर जनपद के करीमुद्दीनपुर थाना अंतर्गत उतरांव गांव की एक पूर्वांचल में एक अलग पहचान है। इस गांव इतिहास यह भी है कि सदियों से यहां हिन्दू मुस्लिम भाईचारे की भावना को कायम रखते हुए हिन्दू मुस्लिम मिलकर कोई भी त्यौहार बहुत ही खुशी खुशी मनाते हैं। हिन्दू भाइयो के सहयोग से ताजिया तो मुस्लिम भाइयों के सहयोग से यहां की रामलीला सम्पन्न होती है?। देश प्रदेश की किसी भी घटना दुर्घटना से यहां के लोगों के दिल दिमाग पर कोई असर नहीं पड़ता। राम रहीम का मजबूत ताना बाना सदियों से यहां मजबूती के साथ देखने को मिलता है। यहां की कलात्मक ताजिया को देखने के

लिए बलिया, बक्सर में जनपद के साथ साथ गाजीपुर जनपद के कोने कोने से लोग उतरांव पहुंचते हैं। सूबे की सबसे उंची ताजिया निजामुद्दीन चौक की ताजिया को देखने के लिए लोगों को अपने गर्दन को उपर की ओर करना पड़ता है। उतरांव गांव में छः चौक से ताजिया का निर्माण किया गया था। इनके निर्माण में लगभग एक माह का समय लगता है और निर्माण यहीं के लोग जी जान से मेहनत कर के पूर्ण करते हैं। सूबे की सबसे ऊंची चलायमान ताजिया निजामुद्दीन चौक की लगभग पचपन फीट ऊंची थी। दूसरे नंबर की ताजिया कदम रसूल चौक की थी जो बावन फीट ऊंची बनायी गयी थी तीसरे नंबर की ताजिया जलील चौक जो पच्चास फीट ऊंची थी, चौथे नंबर की ताजिया मोदी चौक तीस फीट, पांचवें नंबर की ताजिया कुदुस चौक पन्द्रह फीट ऊंची व छठवें नंबर की ताजिया नुरूद्दीन चौक जिसकी ऊंचाई लगभग दस फीट थी। सभी चौक की ताजिया कुदुस चौक पर लाकर रखा गया और कलाकार अपना करतब दिखाए। ताजिया मिलन के बाद कर्बला में सुपुर्दे खाक किया गया। सबसे ऊंची निजामुद्दीन चौक की ताजिया में कुछ दिक्कत आने के कारण कुदुस चौक पर नहीं पहुंच पाई। इन ताजियों को अपने अपने चौक से कुद्दुस चौक पर लाने में सैकड़ों की संख्या में लोग लगते हैं। मंगलवार को अपने अपने चौक से ताजिया जुलूस निकाला गया। यह जुलूस अपने नियत स्थान से उठकर उतरांव गांव के एक पूर्व निर्धारित स्थान पर पहुंचा। जहां या हुसैन, या हुसैन के नारों के बीच सभी ताजियों का मिलान हुआ। मिलान के बाद गांव का भ्रमण करते हुए उतरांव गांव के पश्चिम स्थित करबला पहुंचा। इसके बाद ताजिया को करबला में दफनाया गया। भ्रमण के दौरान जुलूस में शामिल लोग नौहा व मर्सिया पढ़ते और 'या हुसैन' की सदा बुलन्द करते चल रहे थे। वही सुरक्षा को लेकर प्रभारी निरिक्षक विश्वनाथ यादव एवं उनके साथ बडी संख्या में पुलिस कर्मी मुस्तैदी से डटे रहे।

कफन के साथ कांग्रेसियों ने निकाली गौरव यात्रा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर कांग्रेसियों ने बुधवार को पूर्व विधायक अजय राय के नेतृत्व में 3 किमी लम्बी गौरव यात्रा निकाली। जिसमे सैकड़ों कांग्रेसी हाथ मे तिरंगा लिए भारत माता की जय के नारे लगाते पिंडरा तहसील पहुचे। बुधवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पिंडरा विस क्षेत्र के कांग्रेसी पिंडरा (रमईपुर हठ्ठी बाबा) 12 बजे एकत्र हुए। उसके बाद सभी हाथ मे तिरंगा व एक रिक्शा ट्राली पर गैस सिलेंडर तथा उसपर कफन को रख आजादी के दीवानों के पक्ष में नारे लगाते हुए पिंडरा बाजार होते हुए

पिंडरा तहसील स्थित मौनी बाबा आश्रम पहुचे। जहा मौनी बाबा के प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को अंगवस्त्र व माला पहनाकर कर स्वागत किया गया। इसके पूर्व निकले गौरव यात्रा में शामिल सैकड़ो लोगों के चलते वाराणसी जौनपुर मार्ग पर जाम की स्थिति हो गई। मौनी बाबा आश्रम पहुचने पर पूर्व विधायक अजय राय ने कहाकि आज कहने को 75 वा स्वतंत्रता दिवस मना रहा है लेकिन बढ़ती महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। खजाने को भरने के लिए कफन तक मे जीएसटी लगा दी है। उन्होंने बढ़ती महंगाई और अत्याचार के खिलाफ आम लोगों से आवाज उठाने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत वृहद बाईक रैली का किया आयोजन

प्रखर रामनगर वाराणसी। आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत श्री सुरेंद्र चौधरी, पुलिस उप महा - निरीक्षक की अगुवाई में 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा एक वृहद बाईक रैली का आयोजन किया गया । रैली का संचालन श्री अनिल कुमार बक्ष, कमांडेंट 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने किया। यह रैली 95 बटालियन मुख्यालय पहाड़िया मंडी से अक्था होते हुए आशापुर चौराहा,सारनाथ संग्रहालय होते हुए वापस पहडिया मंडी स्थित कैंप तक पहुंची।इस रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना, उनमें देशभक्ति की भावना का संचार करना , लोगों के मन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को बलवती करना तथा काशी वासियों को 13 से 15 अगस्त तक अपने घर, गली, चौक , चौराहों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित करना था। इस रैली के दौरान श्री सुरेंद्र चौधरी, पुलिस उपमहानिरीक्षक व श्री अनिल कुमार बृक्ष , कमांडेंट ने अधिकारियों व जवानों संग मिलकर पहड़िया चौराहा आशापुर चौराहा और सारनाथ चौराहे पर दुकानदारों वाहन चालकों व आने जाने वाले राहगीरों को 4000 तिरंगा झंडा बांटा एवं सब को तिरंगे झंडे के महत्व के संबंध में जागरुक भी किया साथ ही तिरंगा झंडा अपने अपने घरों पर लहराने हेतु प्रेरित भी किया तथा साथ साथ में ऊ/95 और C/95 ने अलग अलग स्थानों पर 2000-2000 तिरंगा झंडा बांटे। इस कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग स्वागतम काशी फाउंडेशन तथा बहू बेटी फाउंडेशन ने 3-3 हजार तिरंगा झंडा देकर किया। इस कार्यक्रम में श्री कृष्णा जायसवाल मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री सुरेश कुमार मिश्रा द्वितीय कमान अधिकारी,श्री महेंद्र मिश्रा उप कमांडेंट, श्री अनुपम सिंह ,श्री हनुमान सिंह, श्री विनोद सिंह, श्री ज्ञान रंजन आदि सहायक कमांडेंट साथ में वाहिनी के तमाम अधिकारी व जवानों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

एनआरआई पीड़िता महिला ने अपर पुलिस आयुक्त सन्तोष कुमार सिंह के पास लगायी न्याय की गुहार दिया प्रार्थना पत्र मिला आश्वासन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जिला मुख्यालय कचहरी पर 10 अगस्त बुधवार को एक एनआरआई महिला आयी थी जो काफी दिनों से महिला पीड़ित है दर- दर आलाधिकारियों के कार्यालय पर चक्कर लगा रही है लेकिन नहीं मिल पा रहा है न्याय` बुधवार को जिलाधिकारी वाराणसी कौशल राज शर्मा और अपर पुलिस आयुक्त वाराणसी (कमिश्नरेट ) सन्तोष कुमार सिंह को सौंपा प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के गैर मौजूदगी में एडीएम फाइनेंस संजय कुमार को प्रार्थना पत्र सौंपा गया फिर अपर पुलिस आयुक्त सन्तोष कुमार सिंह वाराणसी (कमिश्नरेट )को दिया प्रार्थना पत्र` जब प्रार्थना पत्र देकर बाहर आयी तो पीड़िता महिला राजकुमारी सिंह ने मीडिया के सामने बताया की वह काफी समय से आला

अधिकारियों के कार्यालय में भटक - भटक कर परेशान हो चुके है लेकिन कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हुआ है इस मामले में सभी लोग एक दूसरे पर टाल रहे है` पीड़िता महिला राजकुमारी सिंह पत्नी स्व० राधेश्याम सिंह 625 ईस्ट गेट वॉक, वॉटरलू ओटांरीओ N2K2W1 कनाडा की रहने वाली है` वर्तमान समय में भवन संख्या बी 32/32-57 स्थित साकेत नगर कॉलोनी नरिया लंका बार्ड भेलूपुर जनपद वाराणसी निवासिनी है` जो की मेरे स्वर्गीय पति राधेश्याम सिंह पुत्र स्व0 दायराम सिंह मूल निवासी ग्राम हिनौनी माफी परगना भूइली पोस्ट गोठौरा तहसील चुनार जिला मिर्जापुर उत्तर प्रदेश के मूल निवासी थे उन्होंने साकेत नगर नरिया में प्लॉट नं0 57 क्रय किया था और उसका भवन संख्या बी -32/32-57 कायम कराकर नगर निगम अमसेसमेंट रजिस्टर में दर्ज चला आ रहा था।

प्राणी उद्यान में सेव द लॉयन के साथ वॉक आज

प्रखर गोरखपुर। विश्व शेर दिवस (10 अगस्त) पर शहीद अशफाक उल्ला खॉ प्राणी उद्यान में बुधवार को सेव द लायॅन वॉक का आयोजित होगा। गोरखपुर वन प्रभाग, शहीद अशफाक उल्ला खॉ प्राणी उद्यान एवं हेरिटेज फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस वॉक की शुरूआत प्राणी उद्यान प्रवेश द्वार से सुबह 10.30 बजे शुरू होगी। विश्व शेर दिवस को मनाने की शुरूआत साल 2013 में हुई।साल 2013 से लेकर अब तक हर साल इस दिन को 10 अगस्त को मनाया जाता है। प्राणी उद्यान के वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ डॉ योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्राणी उद्यान में वी फॉर एनिमल, जीबीएस, रोटरी गोरखपुर मिडटाउन के सहयोग से सेव द लॉयन वॉक आयोजित होगी। यह वॉक प्राणी उद्यान के प्रवेश द्वार से लॉयन के बाड़ा तक आयोजित होगा। उसके बाद सेव द लॉयन का संदेश देते हुए पेटिंग प्रतियोगिता आयोजित होगी। पेटिंग प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण मौके पर ही किया जाएगा। प्रतिभागियों को कलर स्वयं लेकर आना होगा। हेरिटेज फाउंडेशन की संरक्षिका डॉ अनिता अग्रवाल ने बताया कि शेर एक विशालयकाल एवं सर्वाधिक चमत्कारी प्राणी है। शेर भारत में रहने वाली पांच पंथेरायन कैट्स में से एक है, जिसमें बंगाल टाइगर, भारतीय तेंदुआ, हिम तेंदुए भी शामिल है। प्राचीन भारतीय काल इतिहास में एशियाई शेर इंडो-गंगाटिक प्लेन में सिंध से लेकर पश्चिम में बिहार तक पाए जाते थे। प्राचीन भारतीय इतिहास के साहित्य, पेंटिंग और राजस्व रिकॉर्ड में मौर्य काल, गुप्तकाल और मुगलकालीन सल्तनत के शुरूआती काल में एशियाई शेर को रॉयल एनिमल के रूप में प्रतिष्ठा मिली। मुगलकालीन पीरियड से लेकर ब्रिटिश काल तक इनका व्यापक स्तर पर शिकार किया गया, जिसके फलस्वरूप ये भारत के अधिकतर क्षेत्रों से लुप्त हो गए। डीएफओ विकास यादव बताते हैं कि शेर अधिकतर रात और सुबह के समय में शिकार करता है। शेर अपने प्राकृतिक आवास में चीतल, नीलगाय सांभर और जंगली सुअर का शिकार करना पसंद करता है. एशियाई शेर 2-2.5 मीटर लंबा और इसका वजन 115-200 किलोग्राम होता है और यह छोटी दूरी में 65 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से अपने शिकार का पीछा कर सकता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने बीएसए को दिया 1100 झंडे दान

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वाराणसी राकेश सिंह ने महासंघ का जताया आभार, महासंघ पिछले सप्ताह विभाग को 5000 झंडा दे चुका है

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी ने प्रदेश संयुक्त मंत्री एवं जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी राकेश सिंह को उनके कार्यालय पर पहुंचकर 1100 तिरंगा झंडा सौंपकर हर घर झंडा कार्यक्रम का समर्थन किया।

कार्यकारी जिला अध्यक्ष ज्योति प्रकाश ने बताया कि हर घर झंडा कार्यक्रम की सफलता के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी ने 5 हजार तिरंगा झंडा बेसिक शिक्षा विभाग वाराणसी को उपलब्ध कराने के अपने संकल्प के क्रम में पिछले सप्ताह ही अपने ब्लाक कार्यकारिणी के माध्यम से खंड शिक्षाधिकारियों को 4500 तिरंगा झंडा उपलब्ध करा दिया है।

जिला बेसिक शिक्षाधिकारी वाराणसी को झंडा सौंपने के दौरान मौके पर प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकारों से बात करते हुए जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" ने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राष्ट्रवादी सोच रखने वाला संगठन है जिसका मानना है कि 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को भारत वर्ष के स्वतंत्रता संघर्ष की कहानी से अवगत कराने की आज सर्वाधिक आवश्यकता है जिसमें हर घर झंडा हर घर तिरंगा कार्यक्रम से काफी सहयोग मिलेगा इसलिए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी हर घर झंडा कार्यक्रम की सफलता के लिए अपने व्यक्तिगत संसाधनों से तिरंगा झंडा घरीदकर वितरण कर रहा है।

जिला बेसिक शिक्षाधिकारी राकेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी द्वारा मुझे और मेरे खंड शिक्षाधिकारियों को बड़ी संख्या में तिरंगा झंडा उपलब्ध कराकर बेहतरीन सहयोग किया जा रहा है। बनारस के सभी शिक्षक संगठनों में मुझे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ में राष्ट्रप्रेम की भावना सर्वाधिक दिखी। 1100 तिरंगा झंडा मुझे देने के लिए मैं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी के जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय एवं उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देता हूं।

जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को तिरंगा झंडा उपलब्ध कराने के दौरान प्रदेश संयुक्त मंत्री एवं जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय के साथ कार्यकारी जिला अध्यक्ष ज्योति प्रकाश, जिला महामंत्री आनंद कुमार सिंह,जिला उपाध्यक्ष राजन सिंह,सुशील कुमार,आशा पाठक,डा० दिनेश चंद,संजीव त्रिपाठी,गीता गुप्ता,सुधारानी,प्रीति गुप्ता, रामतीरथ पटेल,अजीत कुमार, आशुतोष पाण्डेय, प्रशांत मोहन गिरी,पवन सिंह,संजय पाठक, प्रवीण सिंह,धीरेन्द्र सिंह,मुकुल सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विद्युतकर्मियो ने किया धरना-प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रदेश के अतिरिक्त प्रांतीय महामंत्री निर्भय सिंह विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार विद्युत वितरण खण्ड द्युतीय आमघाट गाजीपुर प्रांगण में जिला संरक्षक सुदर्शन सिंह के नेतृत्व में विद्युतकर्मियो के द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन किया गया, जिसमें जिले के समस्त संविदा कर्मी, मीटर रीडर, कम्प्यूटर ऑपरेटर ने अपने मांगो एव नियमित मजदूरी को लेकर धरना दिया। वही विद्युत मजदूर पंचायत के जिलाध्यक्ष अरविंद कुशवाहा ने धरने को संबोधित करते हुवे बताया कि पिछले तीन महीने से मीटर रीडरों का मानदेय नही मिला है एव पिछले एक साल से किसी भी रीडरों का पीएफ एव ईएसआई नही कटा है जो कहि ना कहि मेसर्स स्टर्लिंग कंपनी भ्रस्टाचार में लिप्त हैं और जिसकी जांच सूबे के मुख्यमंत्री के साथ साथ पावर कारपोरेशन के चैयरमेन से विद्युत मजदूर पंचायत करवाएगा, ताकि हकीकत पता चले की गरीब मजदूरों का पैसा कौन मार रहा है। यही नही जिले में मेन्टेन्स का कार्य करवा रही भारत इंटरप्राइजेज का भी शिकायत मुख्यमंत्री से करना है जो गरीब संविदाकर्मियों का पिछले चार महीने से किसी के दस महीने का अभी तक मानदेय नही दिया एव ना ही किसी का पीएफ एकाउंट किसी संविदा कर्मी को दिया जो जांच का विषय है। वही जिलामंत्री विजयशंकर राय ने बताया कि इन गरीब मजदूरों का शोषण कंपनी एव विभागीय उच्चाधिकारियों द्वारा मिलकर किया जा रहा है और सरकार मौन धारण की हुई है जो सही नही है। जबकि इन्ही मीटर रीडर, संविदाकर्मियों, कंप्यूटर ऑपरेटरों से विभाग का राजस्व आ रहा है, फिर भी इन लोगो का हक नही मिल रहा है।

डाक कर्मचारियों की एक दूसरी राष्ट्रव्यापी हड़ताल

प्रखर वाराणसी। केंद्रीय महासंघ के आह्वान पर आज दिनांक दस 8 2022 को अपनी 21 सूत्री मांगों को लेकर जौनपुर मंडल के सभी डाक कर्मी हड़ताल पर रहे सभी कर्मचारी जौनपुर प्रधान डाकघर परिसर में एक विशाल हड़ताल धरने का आयोजन कर सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध जमकर नारेबाजी अपनी भड़ास को निकाले कर्मचारी हितों की अनदेखी डाक विभाग का निजीकरण निगमीकरण पुरानी पेंशन बहाली 8 वीं वेतन आयोग का गठन रिक्त पदों को तत्काल भरा जाए वह अपनी 21 सूत्री मांगों पर सरकार को सकारात्मक निर्णय लेने की मांग किया धरने को संबोधित करते हुए हरिशंकर यादव मंडली सचिव व प्रांतीय संगठन मंत्री उत्तर प्रदेश एक दूसरी सांकेतिक हड़ताल के माध्यम से सरकार तक अपनी बातें पहुंचने का आह्वान किया साथ ही तमाम साथी सभाजीत पाल अध्यक्ष हीरालाल यादव मंडली सचिव श्रवण कुमार मिश्रा राजेश कुमार सिंह विकास यादव ऋषिकेश सिंह संजय

कुमार यादव शकील अहमद मनोज दुबे अवधेश तिवारी विष्णु मिश्रा रविंदर सिंह ने सरकार को अविलंब सभी मांगों को मानने के हवन किया सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सचिव संघ के संरक्षक श्री राम उजागीर यादव ने कर्मचारी समस्याओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला और मांग किया कि हमारी मांगों को सरकार एवं मान ले अन्यथा हमारा भविष्य में लंबी अवधि हड़ताल पर जा सकते हैं इसके असली सभा में श्री निर्मला देव नुजहत फातमा रीना मौर्य अमल दार यादव दिनेश यादव इतिहास सभी कर्मचारी उपस्थित रहे यह हड़ताल पूरे जनपद पूर्ण रूप से सफल रही तथा किसी भी डाक घर का ताला नहीं खुला इस एक दिवसी हड़ताल के बाद केंद्रीय महासंघ के आह्वान पर अनिश्चित काल की हड़ताल पर जाने के लिए कर्मचारियों ने संकल्प भी लिया जब तक हमारी मांगें न मानी जाए इस सांकेतिक हड़ताल के बाद हम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर भी जाने को तैयार हैं इसी के साथ प्रांतीय संगठन मंत्री हरिशंकर यादव ने हड़ताली साथियों से अनुरोध किया कि आने वाले भविष्य में हम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर भी अपनी मांगें पूरी कराने के लिए जाने के लिए भी तैयार हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने किया डायलेसिस सेंटर का लोकार्पण

निर्माणाधीन जिला अस्पताल में पब्लिक-पार्टनरशिप पर मरीजों को मिलेगी सुविधा

प्रखर भदोही । अमृत महोत्सव के दौरान भदोही के लोगों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भदोही में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हिमो डायलेसिस सेंटर का लोकार्पण किया है। जिलाधिकारी आर्यका आखौरी ने बताया कि जिला मुख्यालय पर निमार्णाधीन जिला अस्पताल में सरकार की तरफ से यह सुविधा उपलब्ध करायी गई है। डायलेसिस सेंटर की सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें यही सारी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि यह पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप पर शासन ने इसकी व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका

शुभारंभ किया है। यहां कुल छह बेड की सुविधा उपलब्ध होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि शुभारम्भ के दौरान तीन मरीजों को डायलेसिस की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। सेंटर पर कम से कम एक दिन में 12 लोगों को डायलेसिस की सुविधा दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। जिला अधिकारी ने बताया कि इस पर कोई 58 लाख से अधिक की लागत आयी है। डायलेसिस की जरूरत वाले मरीजों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा सारी सुविधाएं जिला अस्पताल में उपलब्ध होंगी। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी औराई विधायक दीनानाथ भास्कर और स्वास्थ्य विभाग के लोग मौजूद रहे।

जिला सहकारी बैंक आजमगढ़ के चेयरमैन को किया गया सम्मानित

प्रखर आजमगढ़। आईडियल जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन इकाई आजमगढ़ के द्वारा एक कार्यक्रम के तहत संगठन के राष्ट्रीय महासचिव संजय पांडेय व जिलाध्यक्ष विवेकानन्द पांडेय राजन की उपस्थिती में जिला सहकारी बैंक लिमिटेड आजमगढ़ के चेयरमैन जय प्रकाश पांडे को सामाजिक व बैंकिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए समाज रत्न की उपाधि से स्मृति चिन्ह एवम प्रशस्ति पत्र संगठन के अन्य लोगों के हाथों देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विवेकानंद पांडेय ने कहा कि यह प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह चेयरमैन को उनके द्वारा जनपद में बैंकिंग एवं सहकारिता को गति देने में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए दिया गया। इस मौके पर सहकारी बैंक आजमगढ़ के चेयरमैन जयप्रकाश पांडेय ने उपस्थित संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आभार प्रकट किया। वहीं संगठन के केंद्रीय संयुक्त प्रभारी से बातचीत के बाद राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार पांडेय द्वारा डॉ अशोक चौहान को प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया, तथा उन्हें भी संगठन के लोगों का अंबिका सेवा संस्थान के लोगों द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मनोज पाण्डेय, श्याम जी उपाध्याय, राहुल पांडेय, विजय कुमार विश्वकर्मा , रोशनलाल, शिखा रावत, सुभाष चंद्र तिवारी 'कुंदन ' राष्ट्रीय संगठन मंत्री - ऑल इंडिया ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन, अनिल कुमार पाण्डेय प्रदेश अध्यक्ष ब्राह्मण सभा, अशोक कुमार तिवारी प्रदेश महामंत्री ब्राह्मण सभा, रिया पाण्डेय जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा ब्राह्मण सभा, अजय कुमार पाण्डेय, महंत संजय पाण्डेय, कन्हैया पाण्डेय आदि लोग मौजूद थे।

तहसील प्रशासन ने निकाली तिरंगा यात्रा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत तहसील प्रशासन द्वारा बुधवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। जो पिंडरा तहसील से पिंडरा बाजार व गांवो में पहुची और सभी से अपने घर पर तिरंगा झंडा लगाने का आह्वान किया।

इस दौरान नायब तहसीलदार साक्षी राय ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कृष्ण कुमार उर्फ रामू गुप्ता एसआई फूलपुर अखिलेश यादव, कानूनगो रवीन्द्र सिंह, लेखपाल वीरेन्द्र प्रसाद, बबलू, विवेक गुप्ता, कमलेश सोनकर, गौरव गुप्ता, अरविंद पटेल, शाहिद खान , सुभाष सोंखर,इकराम खान, साहब लाल समेत अनेक लोग रहे।

लंका से दुर्गाकुंड तक दुकानदारों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरित किया गया

प्रखर वाराणसी। समाजवादी पार्टी मुखिया के निर्देश पर 9 अगस्त से 15 अगस्त तक चलाए जाने वाले हर घर तिरंगा हर गांव तिरंगा कार्यक्रम के दूसरे दिन बाबा साहब वाहिनी के नि0 राष्ट्रीय महासचिव सत्यप्रकाश सोनकर , युवजनसभा के नि0 प्रदेश सचिव वरुण सिंह और युवजनसभा पूर्व महानगर उपाध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में लंका से दुगाकुंड तक सभी दुकानदारों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरित किया गया। बाबा साहब वाहिनी के नि0 राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर ने कहा राष्ट्र प्रेम के लिए नौजवानों को आगे आना चाहिए । जब भी देश में अमन का पैगाम दिया जाएगा तब क्रांतिकारियों के बलिदान की चर्चा जरूर होगी । युवजनसभा के नि0 प्रदेश सचिव व पूर्व पार्षद वरुण सिंह ने कहा सपा मुखिया के इस अहवान से क्रांति संग स्वतंत्रता के महत्व को जनमानस में ले जाने का अवसर दिया है । युवजनसभा पूर्व महानगर उपाध्यक्ष संजय यादव ने कहा देश आजाद हो चुका है और फिर कोई शक्ति दुबारा हमारे देश के तरफ गलत मंसूबे से देख भी न सके इसके लिए यह घर घर गांव

गांव तिरंगा कार्यक्रम एक जागरूकता का माध्यम है । बाबा साहब वाहिनी के पूर्व महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव और शिक्षक सभा के पूर्व महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कहा तिरंगे को लोगों में वितरित कर पार्टी के सदस्यता अभियान को भी आगे बढ़ाया जा रहा है । अन्य वक्ताओं ने कहा जब भी देश के गौरव को बचाने और बढ़ाने का अवसर आया है समाजवादियों ने हमेशा अपने को अग्रिम पंक्ति में रखा है और आगे भी रखेंगे । तिरंगा वितरण में प्रमुख रूप से झ सत्यप्रकाश सोनकर , वरुण सिंह , संजय यादव , आलोक गुप्ता , आर के प्रसाद , वीरेंद्र यादव , बाबू सोनकर , ई0 सत्यप्रकाश , अरविन्द यादव गोलू , सचिन यादव , योगेंद्र आर्या , रवि बिंद भानु मौजूद रहे ।

9 अगस्त को मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

प्रखर वाराणसी। प्रस्तावित बिरसा मुंडा अध्ययन केंद्र स्थल, तेनुडाही में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अगस्त क्रांति और काकोरी कांड को याद करते हुए आदिवासी जीवन और उनकी संस्कृति की चर्चा की गई।

आदिवासियों की जीवन शैली उनके हक अधिकार, न्याय,शासन पद्धति , रीति रिवाज, धर्म और त्योहार आदि भारतीय पुरातन संस्कृति का अटूट हिस्सा हैं।आदिवासी प्रकृति के साथ-साथ मानव जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखते हैं।आदिवासी महापुरुषों ने 1857 के पूर्व ही अंग्रेजों की नीयत को समझ लिया था।उन्होंने अपनी संस्कृति और अस्मिता की रक्षा के लिए हथियार उठाया न की किसी संस्कृति के विरुद्ध। आजादी के आंदोलन से लेकर भारतीय संविधान के निर्माण के दौरान उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। उक्त बातें राइज एंड एक्ट द्वारा आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने

कही। रामजनम ने कहा कि स्वतन्त्र भारत मे आदिवासियों को उनके अनुपात अनुरूप पद प्रतिष्ठा नहीं प्राप्त हुई।उनके संसाधनों पर राज्य जबरन कब्जा कर रहा है। अयोध्या प्रसाद ने कहा कि आदिवासी समुदाय मूलनिवासी है पर शिक्षा और नौकरियों में पिछड़ा हुआ है।राज्य उनके साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। कमलेश कुमार ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज अधिवासी समूहों के साथ खड़ा होने की जरूरत है।उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा की जरूरत है। इसी के लिए बिरसा मुंडा अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है। नगवा ब्लाक के तेनुडाही , कजियारी , विश्रामपुर, सुअरसोत, धोबी,मझुई आदि गांवों के आदिवासियों ने सैकड़ों की संख्या में कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान आदिवासियों के नायक बिरसा मुंडा,तिलका मांझी, सिद्धू-कानू आदि के जीवनी, और संघर्षों के बारे में भी बताया गया । इस मौके पर राम जनम, अयोध्या , कमलेश कुमार , राजेश्वर, रामजतन, विंधेश्वर ग्राम प्रधान मझुइ, विद्यासागर, सकराती , कलावती, गुलजनी आदि की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। कार्यक्रम का संचालन कमलेश कुमार और धन्यवाद ज्ञापन अयोध्या प्रसाद ने किया।

25 हजार का इनामिया वांच्छित गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना दिलदारनगर पुलिस व स्वाट टीम द्वारा वांछित इनामिया थाना अपराधी शास्त्री नगर जनपद पटना बिहार से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस

अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी जमानिया के कुशल निर्देशन में दिनांक 9 अगस्त सर्विलांस टीम व प्रभारी निरीक्षक दिलदारनगर द्वारा थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर से संबंधित अभियुक्त अब्बास पुत्र स्व. मुर्तजा खा निवासी ग्राम मुहम्मदपुर थाना जमानिया जनपद गाजीपुर को स्थान मोटीना अपार्टमेन्ट इंद्रपुरी थाना शास्त्री नगर जिला पटना, बिहार से रात्रि 10 बजे गिरफ्तार किया गया। बताते चलें कि 26 अप्रेल की रात में ग्राम मोहम्मदपुर की बदरे आलम की गला काटकर हत्या अभियुक्त घटना के बाद 3 महीनों से ही लगातार फरार चल रहा था। अभियुक्त उपरोक्त के ऊपर 25000 का इनाम घोषित था, जिसपर अन्य विधिक कार्यवाही थाना प्रभारी दिलदारनगर द्वारा की जा रही है। इनामिया की गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शेषनाथ सिंह, का. संदीप कुमार, का. चन्दन सिंह, का. विशाल कुमार शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

दसवीं मोहर्रम पर यौम -ए - आशूरा का जुलूस मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच निकाला गया

प्रखर चंदवक जौनपुर। चंदवक में दसवीं मोहर्रम पर यौम-ए-आशूरा का जुलूस मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच निकाला गया। डेढ़ दर्जन से ज्यादा ताजिया को देर शाम कर्बला में दफन किया गया जुलूस में शामिल अखाड़े अपने फन का प्रदर्शन करते चल रहे थे। दोपहर में अलग-अलग ताजियादार ताजिये के साथ कर्बला के मैदान पहुचे जहां फातिहा पढने के बाद इमाम चौक लिए प्रस्थान किया। ताजियादारो द्वारा तिरंगा लेकर चलने में आकर्षण का केंद्र रहा।विभिन्न चौक के साथ जुलुस में शामिल अखाड़ा रौनक -ए- इस्लाम और अखाड़ा चंदवक के फनकार करतब दिखाते चल रहे थे। देर शाम तक कर्बला पहुंचा जहां ताजिया को दफन किया गया।ताजिया पुनः अपने अपने चौक पर वापस लौट गए। मौलाना नौशाद साहब, मंजूर आलम,समीम हाश्मी,मोहम्मद इस्लाम, नसीम,नासिबुद्दीन,कलाम, आजाद,इमलाख अंसारी, सुल्तान, साहिल, सोनू, सब्बीर,अन्य लोग शामिल रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रखर चंदवक जौनपुर। आजादी के 75 वर्षों के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में आज दिनांक 10 अगस्त को प्राथमिक विद्यालय चंदवक में तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर श्री गोरखनाथ पटेल जी के द्वारा किया गया ।जिसमें सर्वप्रथम विद्यालय प्रांगण में 45फीट ऊंचे झंडे का ध्वजारोहण किया गया साथ ही तिरंगा यात्रा में 100 फीट लंबे झंडे के साथ हजारों बच्चों के हाथ मे तिरंगा के साथ प्रभातफेरी प्राथमिक विद्यालय चंदवक से होते हुए बाजार के आखिरी छोर से वापस विद्यालय प्रांगण में आकर समापन हुआ। बी एस ए सर ने सभी को संबोधित करते हुए झंडे के सम्मान और फहराने के नियमों से अवगत कराते हुए सभी बच्चों और शिक्षको का उत्साहवर्धन किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी डोभी श्री राजेश सिंह जी, प्राथमिक शिक्षक संघ डोभी अध्यक्ष श्री आलोक कुमार रघुवंशी संरक्षक श्री संजय यादव ,मंत्री संतोष सिंह जी के साथ सभी ए आर पी व ब्लॉक के सभी अध्यापकों का सराहनीय सहयोग रहा।

बरदह पीजी कालेज में हर घर तिरंगा अभियान प्रारंभ

प्रखर बरदह (आजमगढ़)। गांधी स्मारक त्रिवेणी पीजी कॉलेज में गुरुवार के दिन आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान का प्रारंभ प्राचार्य प्रोफेसर विजय कुमार राय के द्वारा औपचारिक रूप से किया गया प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में इसके अंतर्गत स्लोगन ,भाषण ,निबंध, एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक छात्र-छात्राएं दिनांक 11 को शाम 5:00 बजे तक राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ देवेंद्र कुमार पांडे से संपर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन करवा ले प्राचार्य ने बताया कि स्वतंत्रता के 75 वे वर्ष में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन विगत वर्षों से होता रहा है इसी कड़ी में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर डॉक्टर संजय यादव श्री बलवंत सिंह ,अशोक पांडे, श्याम नारायण तिवारी, सर्वेश तिवारी, अनीश मौर्य, अनुपम यादव समेत आदि लोग मौजूद रहे।

आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भाजपा युवा मोर्च के चोलापुर के द्वारा भव्य बाइक तिंरगा रैली निकाली गया

प्रखर दानगंज वाराणसी। बाइक तिंरगा रैली में भाग लिया अजगरा विधायक माननीय श्री त्रिभून राम जी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अमन सोनकर जी, जिला महामंत्री अमित पांडेय जी, चोलापुर मंडल अध्यक्ष विनोद सिंह जी, जिला उपाध्यक्ष भाजयुमो शशांक सिंह जी, अखिलेश जायसवाल मंडल अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा चोलापुर, मंडल महामंत्री रामबाबू गुप्ता, जय प्रकाश सिंह सेक्टर संयोजक, चोलापुर मंडल मिडिया प्रभारी राहुल चौबे व चोलापुर मंडल के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता गण बाइक तिंरगा रैली धरसौना से दानगंज, दानगंज से चोलापुर शहीद स्मारक तक सम्पन हुआ।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं